हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 265, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 20 मार्च, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

बिजलीकर्मियों की हड़ताल बिना शर्त खत्म, मुकदमे होंगे वापस

बर्खास्तगी खत्म करने का आदेश, सभी बिजलीकर्मी काम पर लौटे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 65 घंटे से चल रही बिजली कर्मियों की हड़ताल रविवार दोपहर करीब तीन बजे खत्म हो गई। सभी बिजली कर्मी काम पर लौट गए हैं। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा मंत्री ने कर्मचारियों पर लगे एस्मा सहित सभी तरह के मुकदमे हटाने और निलंबन वापस लेने के निर्देश दिए हैं। बर्खास्त संविदाकर्मियों को भी काम पर लेने का निर्देश दिया है। उधर देर शाम कर्मचारी नेता एवं विभाग के अफसर हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखने के लिए रवाना हो गए हैं। इन्हें सोमवार को होईकोर्ट ने हाजिर होने का आदेश दिया है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति तीन दिसंबर को हुए समझौते लागू करने करने की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार किया। इसके बाद भी सुनवाई नहीं होने पर 16 मार्च की रात 10 बजे से 72 घंटे की हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल को लेकर कर्मचारियों में दो फाड़ हो गया। संघर्ष समिति से जुड़े संगठन हड़ताल में शामिल हो गए तो पॉवर आफिसर्स एसोसिशन के साथ करीब 10 संगठनों ने

हड़ताल का विरोध करते हुए दो घंटे अतिरिक्त कार्य करने का एलान कर दिया। तमाम कवायद के बाद भी विभिन्न जिलों में काम प्रभावित होने लगा।

कहीं शार्ट सर्किट की वजह से समस्या आई तो कई जगह कर्मचारी फीडर में ताला बंद कर गायब हो गए। ऐसे में ग्रामीण इलाके में विद्युत आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित रही। ऐसे में कॉरपोरेशन प्रबंधन ने 22 कर्मचारी नेता के खिलाफ एस्मा के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई। करीब तीन हजार से ज्यादा संविदाकर्मियों को बर्खास्त कर दिया। शनिवार देर रात ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के साथ कर्मचारी नेताओं की बातचीत हुई, लेकिन अंतिम फैसला सुबह की वार्ता पर छोड़ दिया गया। रविवार सुबह करीब 11 बजे कॉरपोरेशन के अफसर जल निगम के फील्ड हॉस्टल पहुंचे।

इस बीच कर्मचारी नेता विद्युत फील्ड हॉस्टल में रणनीति बनाने में जुटे रहे। दोपहर करीब ढाई बजे ऊर्जा मंत्री की मौजूदगी में जल निगम फील्ड हॉस्टल में वार्ता हुई। ऊर्जा मंत्री ने किसी शर्त को मानने से इनकार कर दिया। विभिन्न मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। यह भी कहा कि सभी मुकदमे वापस लिए जाएंगे। कर्मचारियों की बर्खास्तगी भी खत्म की जाएगी। सभी को काम पर रखा जाएगा। इस पर संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने हड़ताल वापस लेने का एलान किया। दोपहर बाद करीब तीन बजे सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। हालांकि विभिन्न इलाके में शाम चार बजे के बाद विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से पटरी पर आ सकी है।

दमनात्मक कार्रवाई खत्म करने का आदेश– ऊर्जा मंत्री एके शर्मा से सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने तीन दिसंबर को हुए समझौते के क्रियांवयन और अन्य मांगों के समाधान का आश्वासन दिया है। ऊर्जा मंत्री ने निगमों के अध्यक्ष एम देवराज को सभी निलंबन, निष्कासन, एफआईआर सहित सभी तरह की कार्रवाई वापस लेने का निर्देश दिया है। इस वजह से हड़ताल स्थगित कर दी गई है। कर्मचारियों के हक की लड़ाई लड़ी जाएगी। हम लोग हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखने के लिए रवाना हो गए हैं।

नीलकंठ मार्ग पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दो बच्चों और एक युवती की मौत, 10 लोग घायल

ऋषिकेश। लक्ष्मणझूला-नीलकंठ मोटर मार्ग पर पीपलकोटी से करीब दो किमी पहले एक बैंड पर रुद्रपुर ऊधम सिंह नगर का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन में 13 लोग सवार थे। घटना में दो मासूम और एक युवती की मौत हो गई। अन्य घायलों का एम्स में उपचार चल रहा है। रविवार करीब 3.30 बजे रुद्रपुर ऊधम सिंह नगर के एक ही परिवार के 13 लोग वाहन में सवार होकर नीलकंठ दर्शन के लिए जा रहे थे। पीपलकोटी से करीब दो किमी पहले वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर करीब 150 मीटर नीचे खाई में गिर गई। वाहन के पीछे से जा रही राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क अंतर्गत गौहरी रेंज की वन टीम ने वाहन को खाई में गिरता देखा। वन कर्मचारियों ने आसपास लोगों और थाना लक्ष्मणझूला पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे लोग और वन कर्मचारियों की मदद से घायलों को एसपीएस राजकीय चिकित्सालय में भर्ती किया गया। चिकित्सकों ने अस्पताल में दो मासूम और एक युवती को मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा अन्य घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर एम्स रेफर कर दिया। थाना लक्ष्मणझूला प्रभारी निरीक्षक विनोद गुसाईं ने बताया कि घटना रविवार शाम करीब 3.30 बजे की है।

एक साल में हमें नगर का सुंदरतम रूप दिखेगा, लगातार हो रहा विकास : योगी

अयोध्या। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला के विराजमान होने के पूर्व यहां श्रीरामकृतु के भव्य लोकार्पण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह मेरे लिए प्रफुल्लित करने वाला क्षण है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस पवित्र स्थल पर नाम और नामी दोनों विराजमान हैं। रामचरित मानस में 'कलियुग केवल नाम अधारा, सुमरि-सुमरि नर उतरहिं पारा' यानी कलियुग में नाम का महत्व है। उसके बारे में भी कहा गया है कि जप से सौ गुना अधिक पुण्य नाम लिखने से मिलता है। यहां 28 करोड़ नाम रामकृतु में संरक्षित किए गए हैं। इसमें निरंतर वृद्धि होती दिखाई देगी। इसका पुण्य अनंत काल तक हमें न केवल सन्मार्ग पर ले चलने, बल्कि जीवन के समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर करने की प्रेरणा प्रदान करेगा। श्रीरामकृतु में प्रभु का नाम है। लेखन के माध्यम से प्रभु के 28 करोड़ नाम को संरक्षित कर हम पुण्य के भागी बन सकते हैं। यह बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे रविवार को अशर्फी भवन पीठ के अंतर्गत नवनिर्मित श्रीरामकृतु स्तंभ व श्रीरामलला भवन के लोकार्पण पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि जगद्गुरु रामानुजाचार्य पूज्य स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज को बधाई दूंगा कि राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के पूर्व अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने भव्य

धर्मशाला व अतिथिशाला का निर्माण कराया। हर आश्रम को ऐसा करना चाहिए। अभी से तैयारी हो जाए। देश से कोई भी श्रद्धालु आए तो उसे अयोध्या में सुविधा भी मिले। यहां रुककर प्रभु के नाम का स्मरण, जप या रहकर साधना करना चाहे तो उसे यहां सब कुछ सुलभ हो। सरकार यहां बुनियादी सुविधाओं के लिए बेहतरीन कार्य कर रही है। सीएम ने कहा कि बिजली खर्च कम करने के लिए सौलर पैनल का उपयोग करना चाहिए। इसे लगाकर अपने यहां जितनी बिजली खर्च करेंगे, आपके कनेक्शन से उतनी कटौती हो जाएगी। सरप्लस ऊर्जा सरकार लेगी और उसका दाम देगी। आश्रमों व घरों के लिए नेट मीटरिंग तथा कार्मशियल स्थल पर नेट बिलिंग की व्यवस्था भी की है। समयबद्ध तरीके से सुविधाओं का लाभ ले लें। सूर्यवंश की राजधानी को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने में पीएम मोदी की मंशा के अनुरूप कार्य को गति देने में सफलता प्राप्त होगी।

सीएम ने कहा कि यहां सड़कों का निर्माण तेज गति से हो रहा है। रामपथ नए घाट से लेकर रामजन्मभूमि होते हुए लखनऊ मार्ग से टेढ़ी बाजार होते हुए फोरलेन की कनेक्टिविटी दी जा रही है। हनुमानगढ़ी के बगल से भक्तिपथ का निर्माण किया जा रहा है। सुग्रीव किला के बगल से भी फोरलेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध कराकर श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। आने वाले समय में अयोध्या दुनिया की सुंदरतम नगरी के रूप में स्थापित हो। यह प्रधानमंत्री की इच्छा है। उसके अनुरूप केंद्र व राज्य सरकार पंचकोसीय, 14 कोसीय व 84 कोसीय परिक्रमा को संतों व श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर अनेक कार्यक्रम चला रही है।

एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा, कांग्रेस जैसा ही होगा हाल : अखिलेश यादव

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्रीय एजेंसियों का विपक्षी दलों के खिलाफ दुरुपयोग कर रही है। इससे वह कांग्रेस की तरह ही राजनीतिक रूप से खत्म हो जाएगी। यादव ने जातिगत जनगणना पर भी जोर दिया और कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा होगा। यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, पहले कांग्रेस केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करती थी और अब भाजपा भी ऐसा ही कर रही है। कांग्रेस अब खत्म हो चुकी है। भाजपा का भी यही हश्र होगा। उन्होंने कहा कि वे केवल उन दलों के पीछे एजेंसियां भेज रहे हैं, जो भाजपा से लड़ रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही केंद्रीय एजेंसियों का

दुरुपयोग बढ़ेगा, यादव ने कहा, "ऐसा हो सकता है लेकिन इससे भगवा खेमे को मदद नहीं मिलेगी, क्योंकि अगले कुछ महीनों में लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पारित राजनीतिक प्रस्ताव के बारे में कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करने कोई कसर नहीं छोड़ेगी कि अगले साल होने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश और देश में भाजपा की हार हो। यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जो भाजपा को रोक सकता है, क्योंकि उसके पास सबसे ज्यादा सीटें हैं। हम उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराएंगे। पूरा देश सपा की ओर देख रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सपा ने 2024 के चुनाव में उत्तर प्रदेश की कुल 80 लोकसभा सीटों में से कम से कम 50 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। यह पूछे जाने पर कि आम चुनाव से पहले प्रस्तावित विपक्षी मोर्चे की क्या योजना होगी, यादव ने कहा कि इसका खुलासा नहीं किया जाएगा।

अमृतपाल के सात समर्थकों को पुलिस ने कोर्ट में किया पेश, 23 मार्च तक की मिली रिमांड

अमृतसर। खलचियां थाने की पुलिस ने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के सात साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इन सातों समर्थकों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने गिरफ्तार सात लोगों को 23 मार्च तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि इन आरोपितों के कब्जे से 12 बोर की छह राइफलें (नजायज), 315 बोर का लाइसेंसी पिस्तौल, 32 बोर की रिवाल्वर, कुल 322 कारतूस (नाजायज) बरामद किए गए हैं। मामले में अमृतपाल सिंह और उसका एक बठिंडा निवासी गुरभेज सिंह साथी फरार है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पकड़े गए सातों आरोपित जल्लूखेड़ा गांव के उस डेरे में रहते थे, जहां अमृतपाल सिंह अकसर रहा करता था। यह गिरफ्तारी पुलिस ने मेहतपुर से दिखाई है। पंजाब में अजनाला थाने पर हमले के आरोपित खालिस्तान समर्थक एवं अलगाववादी अमृतपाल सिंह और उसके साथियों के खिलाफ पुलिस बड़ा ऑपरेशन चला रही है। दरअसल पंजाब में एक महीने पहले खालिस्तान समर्थक संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े हजारों लोगों ने अमृतसर के अजनाला थाने पर हमला कर दिया। इनके हाथों में बंदूकें और तलवारें थीं। ये लोग संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के करीबी लवप्रीत सिंह तूफान की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे। इनके हमले के बाद दबाव में आई पंजाब पुलिस ने आरोपी को रिहा करने का ऐलान कर दिया। ये घटना हिंसा में बदल गई। पुलिस ने पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया था फिर भी अमृतपाल के समर्थकों ने पुलिस के साथ झड़प की और बैरिकेडिंग तोड़ते हुए थाने पर हमला कर दिया। बता दें कि अमृतपाल सिंह ने पंजाब प्रशासन और पुलिस को धमकी दी थी कि अगर उसके साथी को जल्दी छोड़ा नहीं गया तो अंजाम बुरा होगा। अमृतपाल सिंह लम्बे समय से खालिस्तान का समर्थन करता आया है।

केशव मौर्या बोले- देश को तोड़ने वालों की जगह जेल में, राहुल के बयान को बताया गैर-जिम्मेदाराना

कानपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा की कार्यसमिति में कहा कि जो लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी जगह जेल में है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बार बजट में किसानों के बिजली के बिल माफ करने की व्यवस्था की है और निजी नलकूपों का जो भुगतान होगा वह सरकार करेगी। तिलक नगर स्थित विजय विला होटल में आए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी विदेशों में जिस तरह का गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं, उसके चलते 2024 के चुनाव में कांग्रेस 2014 से भी बुरी स्थिति में होगी। कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब प्राइवेट सेक्टर यूनिट, केंद्रीय विद्यालय और सैनिक स्कूल में भी पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसका निर्णय लिया गया है। निकाय चुनाव पर

बोलते हुए उन्होंने कहा कि जैसे ही निकाय चुनाव पर आदेश आया कि बिना पिछड़ों के आरक्षण के ही चुनाव करा लिए जाएं, उन्होंने तुरंत यह बात रखी कि 27 प्रतिशत आरक्षण के बिना निकाय चुनाव नहीं होंगे। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि इसके बिना चुनाव नहीं कराए जाएंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि एक परिवार को ही पहले ओबीसी का प्रतिनिधित्व करने वाला माना जाता था, आज उनकी बेचैनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पिछड़े परिवार से हैं। उनके मुताबिक 2024 के चुनाव के लिए जो साजिश रची जा रही है वह सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नहीं है। इसलिए जरूरी है कि ओबीसी का एक-एक वोट पड़े। हर बूथ पर ओबीसी के लोग प्रहरी के रूप में रहें। उन्होंने 2024 में 400 सीटें पार करने का नारा भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश में 80 में से 80 सीटें जीतने की बात भी कही।

'भ्रष्टाचारियों के लिए बुलडोजर तैयार'- विजय सिन्हा की दो टूक, लखीसराय में बोले- बिहार में बनेगी BJP की सरकार

लखीसराय। लखीसराय के विधायक सह बिहार के नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि बिहार में अगली सरकार बीजेपी की बनेगी। सरकार बनने से पहले ही भ्रष्टाचारियों के लिए बुलडोजर तैयार है। महागठबंधन की सरकार में हत्या, लूट, बलात्कार, प्रशासनिक अराजकता के शिकार लोगों के आवेदन पर संज्ञान लेकर स्पीडी ट्रायल चलाकर भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने वालों की संपत्ति जब्त होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुर्सी के लिए भ्रष्टाचारी से हाथ मिला लिए हैं। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। हत्या के आरोपित मंत्री इजरायल मंसूरी को बर्खास्त करने में मुख्यमंत्री लाचार और बेबस नजर आ रहे हैं। बिहार की जनता अपराध, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अराजकता से ऊब चुकी है। बिहार में सत्ता बदलेगी जनता मन बना चुकी है। नेता प्रतिपक्ष रविवार को लखीसराय स्थित पार्टी के विधानसभा कार्यालय में जन कल्याण संवाद कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने नेता प्रतिपक्ष के समक्ष आवेदन देकर पुलिस थाना, जमीन विवाद एवं शिक्षा विभाग से जुड़े मामले से अवगत कराया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिले में थाना स्तर पर सीओ और थानाध्यक्ष द्वारा भूमि विवाद को लेकर आयोजित जनता दरबार में आए मामलों की समीक्षा डीएम-एसपी को करनी चाहिए। इसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई ऐसा विभाग नहीं है, जहां भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी नहीं हो रही है। हमने सदन में भी मुद्दा उठाया है। अधिकारी जनता की समस्या को सुनते नहीं हैं। हर जगह प्रशासनिक अराजकता कायम है। सरकार अगर गंभीरता से नहीं लेगी तो आम जनता के साथ जनांदोलन शुरू करेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में बीजेपी की सरकार बनेगी तो सभी भ्रष्टाचारी और अपराधियों को बचाने वाले की फाइल खुलेगी। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष देवानंद साहू भी मौजूद थे।

केजरीवाल ने राजा हरिश्चंद्र से की सिसोदिया की तुलना, बोले- भगवान मनीष की परीक्षा ले रहे

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया की तुलना राजा हरीशचंद्र से की है। कहा है कि सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले राजा हरीशचंद्र की तरह सिसोदिया की भी भगवान परीक्षा ले रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि जब कोई सच्चाई के रास्ते पर चलता है तो भगवान कभी न कभी, कहीं न कहीं उसकी परीक्षा जरूर लेते हैं। ऐसे ही एक बार भगवान ने राजा हरीशचंद्र की परीक्षा ली थी। बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर पास होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने विरोध प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने रोहिणी में

विश्वस्तरीय स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूल के उद्घाटन के मौके पर बच्चों के बीच कहा कि राजा हरीशचंद्र को सत्यवादी हरीशचंद्र कहा जाता था। वह कितने बड़े सत्यवादी हैं, यह पता करने के लिए एक बार भगवान ने उनकी परीक्षा ली थी। भगवान ने उनका सारा राजपाट छीन लिया था। इसके बाद उनके बेटे की मृत्यु हो गई थी और जब राजा की धर्मपत्नी अपने बेटे का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंची तो उनके पास बेटे की लाश को ढकने को कफन खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे। भगवान इसी तरह से सिसोदिया की भी परीक्षा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बच्चों के प्रिय मनीष अंकल भी 100 में से 100 नंबर लाकर पास होंगे। बहुत जल्द वापस आपके साथ काम करेंगे। बच्चों से अपील की कि जब भगवान से अपने लिए प्रार्थना करें तब उनके स्वास्थ्य और उनके भले के लिए जरूर प्रार्थना कर ले। हमारे साथ दिल्ली में शिक्षा क्रांति लाने वाले सिसोदिया नहीं है। कुछ दिनों पहले कुछ बच्चे आए और कहने लगे कि मनीष अंकल की बहुत याद आ रही है। शिक्षकों ने भी कहा कि उन्हें बहुत याद करते हैं। बच्चों ने कहा कि उन्हें गलत केस में फंसाया गया है। सारी दुनिया जानती है उन्हें सब याद करते हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच सिसोदिया का जेल से भेजा गया संदेश भी पढ़ा। कहा कि सिसोदिया ने संदेश में कहा है कि मैं जहां भी हूं, ठीक हूं। आप लोग मेरी चिंता मत करना, आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना। उन्हें जेल में भी बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य की चिंता है। अच्छे नंबर लाकर पास होना है और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना।

'समय पर बरतें सावधानी', इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों पर विशेषज्ञ बोले- घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में कमी आने के बाद इन्फ्लूएंजा एच3एन2 के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। ऐसे में विशेषज्ञों ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों ने कहा कि अगर समय पर सावधानी बरती जाए, तो घबराने की जरूरत नहीं है। वायरस के लक्षणों के बारे में बात करते हुए दिल्ली के अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर अनुपम सिब्बल ने बताया कि एच3एन2 के लक्षण कोविड-19 जैसे ही हैं, लेकिन यह लंबे समय तक बने रहते हैं। उन्होंने बताया कि समय-समय पर वायरस में परिवर्तन देखने को मिलते हैं। इन्फ्लूएंजा के लक्षण कोरोना के बाद दिखाई दे रहे हैं, हालांकि इसके लक्षण लगभग कोरोना जैसे ही हैं। इसके लक्षण में खांसी, जुकाम और बुखार शामिल है, लेकिन मरीजों में इसके लक्षण लंबे समय तक दिखाई दे रहे हैं जिसकी वजह से यह तेजी से फैल रहा है। इसी बीच उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान हम जो सावधानियां बरत रहे थे, उनका पालन करना चाहिए। मास्क पहने, हाथों को साफ रखें। इसके साथ ही अगर किसी व्यक्ति में खांसी, जुकाम या बुखार जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो उस व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना बेहद जरूरी है। डॉ. सिब्बल ने कहा कि वायरस से बचने के लिए बच्चों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। माता-पिता को इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि अगर वो बच्चों को स्कूल या फिर बाहर खेलने के लिए भेज रहे हैं, तो वो खांसी और सर्दी से पीड़ित न हों और अगर किसी बच्चे में लक्षण दिखाई देते हैं, तो उन्हें दूसरे बच्चों के संपर्क में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को मास्क पहनाकर ही स्कूल भेजें और उनके हाथों को साफ रखें। अपोलो हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर आदित्य भाटी ने बताया कि यूं तो वायरस इंसान के सभी अंगों को प्रभावित करता है, लेकिन ब्रेन स्ट्रोक और ब्रेन हैमरेज जैसे मामलों में दिमाग पर ज्यादा असर देखने को मिल रहे हैं।

संपादकीय

तेजी से बढ़ रही खुदकुशी की प्रवृत्ति

युवाओं में तनाव, अवसाद और फिर आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसे रोकने के लिए अनेक उपाय सुझाए गए हैं। तनाव दूर करने के लिए लगातार जागरूकता पैदा करने की कोशिश की जाती है। जगह-जगह सहायता और सलाह केंद्र खोले गए हैं। इसके बावजूद इस समस्या पर काबू पाना चुनौती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तो यह है कि जिन चिकित्सकों के माध्यम से अवसाद जैसी स्थितियों से पार पाने की उम्मीद की जाती है, वे खुद इस समस्या से ग्रस्त होकर खुदकुशी करते देखे जाते हैं। ताजा आंकड़े के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच साढ़े तीन सौ मेडिकल छात्रों, रेजिडेंट डाक्टरों और चिकित्सकों ने खुदकुशी कर ली। इसे लेकर इंडियन मेडिकल कांग्रेस ने चिंता जताई और चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन से इस मामले में सकारात्मक वातावरण बनाने की सलाह दी है। चिकित्सकों में बढ़ते अवसाद के पीछे बड़ा कारण उन पर कामकाज का बढ़ता दबाव और तनाव है। आत्महत्या करने वालों चिकित्सकों का विश्लेषण करने से पता चला है कि वे अत्यंत मेधावी थे, सबसे तेज दिमाग थे, मगर उनका मानसिक स्वास्थ्य कमजोर था। वे अपने पेशेवर जीवन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते थे। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार अवसाद अक्सर ऐसे लोगों को जल्दी अपनी गिरफ्त में ले लेता है, जो अतिरिक्त रूप से संवेदनशील, प्रायः मेधावी और कमजोर मानसिक स्वास्थ्य वाले होते हैं। ऐसे लोगों को सामाजिक संबल की बहुत जरूरत होती है। मगर हैरानी की बात है कि चिकित्सा के पेशे में रहते हुए भी लोगों को इस समस्या की पहचान नहीं हो पाती। ऐसा नहीं माना जा सकता कि अवसाद के लक्षण उनके आसपास रहने वाले लोगों को नजर न आए होंगे। अब तो यह भी छिपा तथ्य नहीं है कि अक्सर पढ़ाई-लिखाई, परीक्षा और काम के दबाव में युवाओं का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। इसीलिए परीक्षा आदि के समय माता-पिता और अध्यापकों को विद्यार्थियों के प्रति विशेष रूप से ध्यान देने की सलाह दी जाती है। उन्हें स्नेह और प्रोत्साहन पूर्ण वातावरण देने का प्रयास किया जाता है। हैरानी की बात है कि चिकित्सा विज्ञान से जुड़े लोग भी इस मामले में अपने किसी पीड़ित सहकर्मी या सहपाठी के प्रति वैसे ही उदासीन नजर आ रहे हैं, जैसे समाज के सामान्य लोग देखे जाते हैं। अच्छी बात है कि इसे लेकर इंडियन मेडिकल कांग्रेस ने व्यापक रूप से सतर्कता अभियान चलाने की पहल की है। अवसाद हमारे देश में एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। खासकर युवा इसकी गिरफ्त में जल्दी आ जाते हैं, इसलिए कि उन पर पढ़ाई-लिखाई और पेशे आदि में अव्वल रहने का दबाव अधिक बढ़ा है। उनकी महत्त्वाकांक्षाएं भी बड़ी हैं। माता-पिता और समाज उन्हें अव्वल देख कर प्रसन्न तो होते हैं, उनकी नजीर भी देते हैं, पर उनके मानसिक स्वास्थ्य का अंदाजा लगाने में प्रायः विफल साबित होते हैं। इसी का नतीजा है कि मामूली विफलता पर भी कई युवा गहरे अवसाद में चले जाते हैं और धीरे-धीरे आत्महंता हो जाते हैं। पिछले दिनों देश के पचपन विश्वविद्यालयों के छात्रों में बढ़ते अवसाद और खुदकुशी की प्रवृत्ति पर चिंता जताई गई थी। कुछ तो युवाओं में यह समस्या इसलिए भी तेजी से घर कर रही है कि पढ़ाई-लिखाई कर चुकने के बाद भी उन्हें जीवन जीने का कोई बेहतर जरिया नजर नहीं आता। ऐसे में युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेती इस समस्या के विभिन्न पहलुओं का बारीक अध्ययन और व्यावहारिक उपायों पर विचार की जरूरत है।

भ्रष्टाचार का पाप और भाजपा की वैतरणी

आप आज जिस किसी माध्यम से देश-दुनिया के हालात को जानने का प्रयास करेंगे, तो भयभीत हो जाएंगे, क्योंकि अपनी दिनचर्या के अनुसार आप सुबह समाचार जानने के उद्देश्य से अखबार पढ़ना शुरू करेंगे, तो छापों के समाचार से ही इसकी शुरूआत होगी। पता नहीं, रात में आपके पड़ोसी के यहां किसी सरकारी जांच एजेंसियों का छापा पड़ गया हो और अभी आपको समाचार पत्रों से पता चल रहा हो कि आपका पड़ोसी तो उच्च कोटि का भ्रष्ट अधिकारी था या सत्तारूढ़ दल के विरुद्ध बात करता था अथवा विपक्षी दल का कार्यकर्ता अथवा नेता था?

पिछले दिनों कर्नाटक में भाजपा विधायक के ठिकानों से कुल आठ करोड़ रुपये कैश बरामद होने पर कांग्रेस लगातार भाजपा पर हमलावर है। सिद्धारमैया ने सीएम बोम्मई को करप्शन का सबूत बताते हुए कहा कि उन्हें सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन महीनों से जेल में बंद हैं, वहीं अब उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा उनके कई रिश्तेदारों के यहां छापेमारी के बाद पूछताछ जारी है। पंजाब कांग्रेस से जुड़े पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है। उन पर भी मुख्यमंत्री रहने के दौरान भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल से विधायक और लालू-राबड़ी देवी के करीबी अबु दोजान के फुलवारी शरीफ के हारून नगर आवास और कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। ईडी छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के नेता विनोद तिवारी को दफ्तर बुलाकर दस घंटे तक पूछताछ की गई। यह तो महज चंद उदाहरण हैं, यदि संपूर्णता में इसे देखें तो इनकी संख्या सैकड़ों नहीं, हजारों में है जिन पर ईडी, सीबीआई के छापे पिछले कुछ वर्षों में डाले जा चुके हैं। इन छापों के कारण भ्रष्टाचार से कमाई करने वालों के रातों की नींद हराम हो गई है। स्वाभाविक है कि जिनकी लगाम कसी जाएगी, वह अपने पक्ष में कुछ-न-कुछ कहानियां सुनाएंगे ही। केंद्र सरकार में सत्तारूढ़ भाजपा का कहना है कि भ्रष्टाचार की शुरूआत कांग्रेस शासन की देन है और अब यदि उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है, तो इसकी आलोचना उनके द्वारा क्यों की जाती है। इसे इस प्रकार भी समझा जा सकता है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से पूछताछ के बाद जमीन के बदले नौकरी घोटाले में तथाकथित 600 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग के जो सबूत मिले हैं, क्या उसका दोष भी तत्कालीन सरकार पर मढ़ा जाएगा? होना तो यही चाहिए कि जो अपराध करे, उसको उसके कृत्य की सजा तो मिलनी ही चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

विपक्ष इसी को मुद्दा बनाकर जनता के सामने पेश कर रहा है कि भाजपा सरकार अपने विरोधियों के प्रति किस प्रकार एक पक्षीय है। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता से यदि ईडी नौ घंटे पूछताछ करती है और दोषी पाए जाने पर गिरफ्तार करती है, तो उसमें किसी को क्या परेशानी हो सकती है? स्पष्ट है कि जो अपराध करेगा, उसे उसकी सजा मिलेगी, लेकिन विपक्ष यही प्रश्न पूछकर सरकार को कठघरे में खड़ा करता है, तो इसमें असहज होना क्या उचित है? विपक्ष कई नामों में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा के अलावा कई और नेताओं का नाम लेकर भाजपा पर प्रहार करते हैं कि कांग्रेस में जब तक ऐसे व्यक्ति थे, तब तक भाजपा ने इनपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए गए थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने दल बदला, उनकी छवि सुधर गई और ये पाक-साफ होकर भाजपा के सर्वप्रिय व सम्मानित नेता बन गए। क्या भाजपा गंगा नदी जैसी स्वच्छ और पवित्र पार्टी है कि कोई व्यक्ति उसमें डुबकी लगाते ही दोषमुक्त हो जाता है? लालू यादव ट्वीट करते हैं, हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है। हमने वह लड़ाई भी लड़ी थी। आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में आज मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों और गर्भवती पुत्रवधू को भाजपाई ईडी ने 15 घंटों से बैठा रखा है। क्या इतने निम्नस्तर पर उतरकर भाजपा हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट किया, मोदी सरकार, विपक्षी नेताओं पर ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या का कुत्सित प्रयास कर रही है। खरगे ने कहा कि जब देश से भगोड़े करोड़ों लेकर भागे, तब मोदी सरकार की एजेंसियां कहां थीं? जब परम मित्र की संपत्ति आसमान छूती है, तो जांच क्यों नहीं होती? इस तानाशाही का जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। अब पानी सिर के ऊपर से चला गया है। कांग्रेस हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने का बाद से भाजपा सरकार और विशेषरूप से प्रधानमंत्री पर आक्रामक है। इस मामले में राहुल गांधी के साथ विपक्षी दल के सभी नेताओं का गुस्सा भाजपा को झेलना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने संसद और संसद से बाहर सरकार पर आरोप लगाया है कि घोटाला मामले में जितने भी भगोड़े है, सबको सरकार का प्रश्रय हासिल है, इसलिए उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती है। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से उद्योगपति गौतम अडाणी की मदद करने और वास्तविक मुद्दों की बात न करके लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। झारखंड के साहेबगंज जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, 2019 में अडाणी की संपत्ति एक लाख करोड़ रुपये थी। ढाई साल के भीतर उनकी संपत्ति बढ़कर 13 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह वही (गौतम) अडाणी थे, जिनकी फ्लाइट से मोदी शपथ लेने आए थे। वह कौन सी जादुई छड़ी है, जिसने उनकी संपत्ति कई गुना बढ़ा दी? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि मोदी ने जनता के पैसे से अपने दोस्त को फंडिंग की।

सच्चाई तो यह है कि भाजपा देश के अधिकांश भागों में सत्ता में काबिज है। केंद्र में उसकी पूर्ण बहुमत की सरकार है, लेकिन छापेमारी की इस तरह ताबड़तोड़ कार्रवाई से ऐसा लगता है कि वह कुछ दूर की सोचकर भयभीत हो गई है। उसके कई कारण हो सकते हैं- जैसे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी का जो कद बढ़ा है, उसकी अपार सफलता से भाजपा बुरी तरह प्रभावित है। दूसरी बात यह भी है कि भाजपा द्वारा बार-बार जो वादे किए जाते हैं, उन्हें पूरा न कर-के आमजन की सोच को बदलना और सरकार द्वारा चुनाव के बाद यह कह देना कि वे सारे तो चुनावी जुमले थे, इसलिए उन्हें मूर्तरूप नहीं दिया जा सकता। एक और बात जो काफी महत्वपूर्ण है, वह यह कि लगभग दस वर्ष होने के कारण आमजन के मन में सरकार के प्रति स्वाभाविक दुराग्रह बन जाता है, उसका भी डर है। वैसे तो यदि सच में सरकार आमजन के लिए कुछ करती है, तो लोग उसे भूलते नहीं हैं। उदाहरण के लिए गुजरात सहित कई राज्यों को लिया जा सकता है जहां भाजपा ने इस सिद्धांत को अपने द्वारा किए गए कार्यों से झुठला दिया। यदि सच में देश के लिए भी ऐसा ही कुछ इस पार्टी ने किया है, तो उसका हिसाब-किताब अगले वर्ष होनेवाले आम चुनाव में मतदाता कर ही देंगे। फिलहाल सामान्य जीवन जीने वालों के लिए आज की स्थिति तो डरावनी ही है। यदि कांग्रेस और सभी विपक्षी दल एक हो जाते हैं, तो फिर आज की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को नाकों चने चबाने पड़ सकते हैं। उसकी ताबड़तोड़ छापेमारी का मतलब आमजन की समझ में आ जाएगा। बस प्रतीक्षा का धैर्य बनाए रखिए।

आंकड़ों से छले जाते लोग

कैसे हो साधारण आदमी की तरक्की? उसको अनुकंपा की दिलासा बंद कीजिए। भूख से न मरने की गारंटी तो उसे दे दी गई, लेकिन कब उसे रोजी-रोजगार और सम्मानजनक जीवन जीने की गारंटी दी जाएगी। बेशक आज कहा जा रहा है कि उन्हें रोजगार मांगने वाले से रोजगार देने वाला बनाया जाएगा। मगर नवउद्यम तभी चलेंगे, जब उनमें साधारण आदमी को अपने लिए कुछ बचता नजर आए। देश की तरक्की औसत आदमी के वृत्त से बाहर क्यों? देश के लिए चमकती चुंधियाती खबरें आती हैं, तो देश के भाग्यनियंता अपनी उपलब्धियों पर गर्वित हो जाते हैं। अगर मुड़ कर देखें तो पाते हैं कि जब यह देश आजाद हुआ और देश की व्यवस्था लोकतांत्रिक बनी, तो इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हुए घोषणा की गई थी कि इस देश में अमीर और गरीब का भेदभाव मिटा दिया जाएगा। एक समतावादी समाज की स्थापना होगी। नेताओं से उम्मीद रखी गई थी कि वे केवल चंद धनकुबेरों का सहयोग न करें, बल्कि देश के असंख्य गरीबों को रोजी-रोजगार देने का अपना वादा पूरा करें। तब योजनाबद्ध आर्थिक विकास की घोषणा हुई थी।

बारह पंचवर्षीय योजनाओं में इस पर काम हुआ, पर वे अपने लक्ष्यों को पूरी नहीं कर पाईं। मगर तब भी यही कहा गया कि देश तरक्की की राह पर है। गरीब आदमी राहत की सांस ले रहा है और यह सब उसके वोट बैंक की सहायता से हुआ है। नेताओं का यही स्वर था कि इस देश में हर युवक को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार मिलेगा। स्त्रियों को समानाधिकार और उनके सशक्तिकरण में वृद्धि होगी, वे पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर चलेंगी। इस समतावादी समाज में ऐसा उदाहरण प्रस्तुत हो जाएगा, जिसमें बिना किसी मार-काट के गरीब और अमीर के बीच भेदभाव खत्म हो जाएगा। महंगाई और चोरबाजारी खत्म होगी। भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता रहेगी। लोगों को सहज व्यापार और सहज प्रशासन मिलेगा। देश के भाग्यनियंता गरीब की बात पहले सुनेंगे और धनी की बात बाद में। मिश्रित अर्थव्यवस्था की धारणा इसी की पुष्टि करती थी कि सार्वजनिक क्षेत्र साधारण जन का कल्याण करेगा और निजी क्षेत्र का प्रोत्साहन देश की आर्थिक गति बढ़ाएगा। मगर देखते ही देखते सब कुछ लालफीताशाही में घिरता नजर आया। घोषणाओं की सफलता को मिथ्या आंकड़ों का आडंबर सहारा देने लगा और धीरे-धीरे योजनाबद्ध आर्थिक विकास को त्याग कर एक उदार अर्थव्यवस्था बनाने की बात होने लगी, जिसमें यह धीमी गति से चलती हुई आर्थिकी त्वरित गति को प्राप्त कर सके। पिछले नौ सालों में सार्वजनिक निजी भागीदारी के नाम पर निजी क्षेत्र को ही अधिक प्रोत्साहन मिला है। इसके नतीजे सामने हैं।

कहा जा रहा है कि भारत ने दुनिया में विकट आर्थिक स्थितियों का सामना करते हुए भी सबसे तेज आर्थिक विकास दर प्राप्त कर ली। आर्थिक विशारद कहते थे कि 2023 में दुनिया महाआर्थिक मंदी का सामना करने जा रही है, लेकिन भारतीयों ने इससे भी अपना बचाव कर लिया। कहा गया कि अगर फे-डरल बैंक की नीतियों के बदलने के साथ ब्याज दरों में वृद्धि और महंगाई के प्रहार के बाद भारत का विदेशी निवेश भगोड़ा हो गया है, तो उसे निजी निवेश ने भर दिया है। अभी जो नतीजे सामने आए हैं, उन पर चाहें तो हम गर्व कर सकते हैं। पहला नतीजा तो यह है कि भारत में नौ साल में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई है। 2014-15 की तुलना में देश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर 1,72,000 पर पहुंच गई है। अगर मुद्रास्फीति को दरकिनार कर-के आय बढ़ने के स्थिर दाम पर वास्तविक मूल्य देखें तो यही पाते हैं कि इन वर्षों में यह 35 फीसद बढ़ गई है, यानी नौ वर्ष पहले जो 72,805 रुपए थी, वह आज 98,118 रुपए हो गई है।

कहा जाता है कि जितनी तेजी के साथ भारत डिजिटल हुआ है, उसका कोई सानी नहीं। जिस प्रकार भारत की मंडियों में लोगों की मांग एक विशेष वर्ग की मांग की तरह बढ़ी है, वह बताती है कि अपना देश पूर्णबंदी की मार से उबर आया है। हमारे देश के बीस प्रतिशत सबसे अमीर अधिक खरीदारी करने लगे हैं। चाहे मौद्रिक नीति कर्ज महंगे कर रही है, लग्जरी कारों की बिक्री पचास फीसद बढ़ गई है। महंगे स्मार्टफोन पचपन फीसद ज्यादा बिक रहे हैं। महंगी स्विस घड़ियों की बिक्री दो साल में 843 करोड़ रुपए से 1640 करोड़ रुपए हो गई और बड़े अल्ट्रा एचडी टीवी 2021 के मुकाबले पंचानबे प्रतिशत बढ़ गए। मगर यह हालत तो केवल बीस प्रतिशत की मांग बढ़ने के कारण पैदा हुई है।

पर यह औसत आय की धारणा बड़ा भ्रमजाल फैलाती है। एक ओर कहती है कि देश में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हो गई, दूसरी ओर गरीब अपनी जेब खाली पाता है। तिस पर कम आय वालों की आय भी इन दो सालों में बढ़ी नहीं। जो औरतें काम से बेकार हो गईं, उनको दुबारा काम नहीं मिला और कोरोना महामारी के प्रकोप से डरते हुए औद्योगिक क्षेत्र के निस्पंद हो जाने के कारण जो जनसमुदाय महानगरों को छोड़ गांवों की ओर चला गया, वह अब वापस लौटने को तैयार नहीं। वृद्धि के आंकड़े दिलासा देते हैं, लेकिन साथ ही यह भी बताते हैं कि यह वृद्धि केवल सेवा और पर्यटन क्षेत्र में हो रही है। निर्माण क्षेत्र में यह वृद्धि कम हो रही है। निर्यात बढ़े नहीं और देश आज भी आयात आधारित है। किसी भी उत्पादन के लिए उसे कच्च? माल विदेशों से मंगवाना पड़ता है। चीन के साथ तनातनी के बावजूद हमारे फार्मा उद्योग का अधिकांश कच्चा माल चीन से आता है। अब यह कहा जा रहा है कि इसके लिए जापान की ओर भी ध्यान दिया जाएगा। दूसरी ओर, इस देश का सबसे बड़ा दर्द कच्चे तेल की कीमतें और प्राकृतिक गैस की कीमतों का लगातार ऊंचे स्तर पर स्थिर रहना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ये कीमतें कम हुई हैं, लेकिन सरकारों ने अपने राजस्व और तेल कंपनियों ने आपदा काल में हुए घाटे की दुहाई देते हुए इन कीमतों को कम नहीं होने दिया। पिछले दिनों तो घरेलू गैस और व्यावसायिक गैस के सिलिंडरों की कीमतों में और वृद्धि हो गई। अपने ही देश में कच्चे तेल के कुएं खोदने वाला आयल एंड नेचुरल गैस कमीशन हताश है, क्योंकि हम इस मामले में तरक्की नहीं कर पाए और आज भी तेल के लिए विदेशों पर निर्भर हैं। विशेष रूप से आजकल रूस की ओर।

अगर यह स्थिति है तो बताइए, देश का आम आदमी किस प्रकार अपनी इस तरक्की पर गर्वित हो ले। रिटेल इंटेलिजेंस फर्म विजोम बताती है कि छोटे शहरों में टुथपेस्ट, नूडल और हेयर आयल जैसे उत्पादों की बिक्री कम हो गई। ग्रामीण और अर्धशहरी बाजार 0.8 प्रतिशत गिर गया। दुपहिया वाहनों की बिक्री कम हो गई और छोटी कारों की बिक्री में इजाफा नाममात्र रहा। कम कीमत वाले स्मार्टफोनों की बिक्री में भी पंद्रह प्रतिशत कमी आ गई। तनिक गरीब घरों में उज्ज्वला योजना के गैस सिलिंडर की हालत देख लीजिए। अब उनकी सबसिडी 200 रुपए पर सिमट गई है।

है प्रकृति की मार!

ओलावृष्टि हो रही ।
फसल को नुकसान ।।
है प्रकृति की मार ।
आफत में किसान ।।
मौसम के विभाग ने ।
समय से फरमाया ।।
करते हम भी काम ।
याद ये दिलाया ।।
पसोपेश में अन्नदाता ।
अमले ने चेताया ।।
कदम संभल कर रखना है ।
दिन कटाई आया ।।
है करना उपाय ।
रौनक लौट आए ।।
धन समय उर्जा पूरी ।
खेतों में खपाए ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सपा प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश की बदहाल विद्युत व्यवस्था को बहाल करने के संदर्भ में जिलाधिकारी को सौंपा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन

विद्युतकर्मियों की मांग जायज, उन्हें पूरा करे सरकार - एमएलसी आशुतोष सिन्हा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रदेश में विद्युत कर्मियों के हड़ताल पर जाने के कारण प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी सहित पूरे प्रदेश में विद्युत व्यवस्था चरमरा जाने से व्याप्त जनाक्रोश को देखते हुए 19मार्च रविवार को वाराणसी में समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिन्हा के नेतृत्व में सपा प्रतिनिधि मण्डल ने बदहाल विद्युत व्यवस्था को जनहित में तत्काल बहाल करने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी वाराणसी को सौंपा जिसे जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर एसीएम प्रथम को देते हुए आशुतोष सिन्हा ने विद्युतकर्मियों को मांगों को पूरा करते हुए चरमराई विद्युत व्यवस्था को बहाल करने की मांग की` जैसा कि आपको ज्ञात है कि पूरे प्रदेश के विद्युत विभाग के कर्मी अपनी जायज मांगों को लेकर 72 घंटों की हड़ताल पर गए हुए हैं` लेकिन उत्तर प्रदेश की संवेदनहीन सरकार ने विद्युत व्यवस्था की बहाली के लिए कोई भी वैकल्पिक व्यवस्था नही की, जिससे पूरे वाराणसी में विद्युत व्यवस्था से बेहाल नागरिक व आम जनता सभी मर्माहत हैं और दिनचर्या का कार्य न हो पाने से भारी जन आक्रोश व्याप्त है` एमएलसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तानाशाही सरकार ने विद्युत कर्मियों के जायज मांगों पर विचार

नहीं किया और हड़ताल हो जाने से जो छात्रों की बोर्ड की परीक्षा चल रही है उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है, चिकित्सा व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई है, यहां तक कि जो बुजुर्ग एवं गर्भवती महिलाएं हैं तथा ऑपरेशन करने में भी चिकित्सीय परेशानियों का सामना करना पड़ा है साथ ही साथ बुनकर भाइयों, छोटे, मझौले व बड़े के सभी कल कारखाने बंद होने से पूरा व्यापार ठप्प पड़ा हुआ है उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार विद्युतकर्मियों के साथ बहुत ही गलत बर्ताव कर रही है` विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के साथ सरकार द्वारा किए गये 14 बिन्दुओं पर लिखित समझौते के क्रियान्वयन हेतु 15 दिनों का समय निर्धारित किया गया था परन्तु उक्त समझौते पर अभी तक सकारात्मक कार्यवाही नही हो पाई है तथा संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा अपने विभिन्न पत्रों के माध्यम से सरकार से इस समझौते की सहमति के क्रियान्वयन का अनुरोध भी किया गया परन्तु उनके पत्र पर भी कोई सुनवाई नही हुई, जिससे निराश होकर विद्युत कार्मिक कार्य बहिष्कार एवं सांकेतिक हड़ताल हेतु बाध्य हुए` सपा प्रतिनिधि मण्डल ने अपने ज्ञापन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग किया कि वह अपने तानाशाही रवैया को छोड़कर विद्युत कार्मिकों की चौदह सूत्रीय मांगों पर हुए समझौते का क्रियान्वयन यथाशीघ्र करायें, जिससे कि विद्युत कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से सूबे की जनता को बेहतर विद्युत सेवा प्रदान कर सकें` ज्ञापन सौंपने वाले सपा प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से प्रदीप जायसवाल, विजय जायसवाल, डॉक्टर संजय सोनकर, श्रीमती पूजा यादव, दीपचंद गुप्ता, आयुष यादव, रिजवान खान, अतुल श्रीवास्तव, मोहम्मद जीशान कलाम,रमाकांत जायसवाल, मोहम्मद कैफ मोहम्मद, रिजवान खान, विजय वाधवानी, अर्पित श्रीवास्तव,रवि जायसवाल, अंजनी सिंह पटेल, इमरान खान, होरी लाल गुप्ता आदि लोग सम्मिलित थे।

भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय में महिला ट्रेड यूनियन वर्कशाप का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी डिवीजन इन्श्योरेंस इम्प्लाइज एसोसिएशन (महिला प्रकोष्ठ) के बैनर तले भारतीय जीवन बीमा निगम मंडल कार्यालय भेलूपुर परिसर में एक महिला ट्रेड यूनियन वर्कशाप का आयोजन किया गया` इस वर्कशाप को मुख्य वक्ता के तोर पर संबोधित करते हुए उत्तर मध्य क्षेत्र महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका गीता शांत ने अपने ओजस्वी वक्तव्य के माध्यम से महिला अधिकारों और भारतीय जीवन बीमा निगम में उनके संघर्ष की कहानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने महिलाओं पर इतिहास में किये गए भेदभाव का जिक्र करते हुए यह कहा कि इसके लिए स्वयं महिलाओं को आगे आना होगा सार्वजनिक उपकर्मो को बेचे जाने का विरोध करते हुए उन्होंने निजीकरण को पुरूषों की तुलना में महिलाओं के लिए अधिक घातक बताया उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए यह आवश्यक है कि सरकारी संस्थान सुरक्षित रहें ताकि महिला अधिक सम्मानपूर्ण ढंग से अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए आगे बढ़ सके महिला दिवस और मजदूर दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर पर हमें इतिहास में किये गए संघर्षो को याद करना चाहिए।

नयी दिशा द्वारा निःशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन

प्रखर कुशीनगर। वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे की पूर्व संध्या पर रविवार को नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा कसया नगर स्थित वृद्धाश्रम पर निःशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया एवं वृद्धाश्रम पर रह रहे बुजुर्गों, कर्मचारियों व आस पास से आये लोगों को दंत रोग विशेषज्ञ डा0 अनामिका गुप्ता द्वारा सामान्य ओरल जांच करते हुये ओरल कैंसर, ब्रश करने के तरीके और मुंह को अच्छे से साफ रखने की जानकारी दी गयी। डा0 अनामिका ने 6 माह के अंतराल पर चिकित्सक से मिलते रहने का सुझाव देते हुये बताया कि दंत स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य के समान ही महत्वपूर्ण है। यह मुंह, मसूढ़ों और दांतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। साथ ही यह शारीरिक आकर्षण को भी बढ़ाता है। दांतों की खराब स्थिति गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है जिसमें हृदय रोग, मोटापा, स्ट्रोक, श्वसन संबंधी दिक्कतें तक शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लाइव जुड़कर 501 जोड़े को दी शुभकामनाएं

प्रखर शाहगंज जौनपुर। शाहगंज के विधायक रमेश सिंह के सौजन्य से रामलीला मैदान में 19 मार्च को आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना एवं शाहगंज महोत्सव में करीब 501 नव युगल विवाह के पवित्र बंधन में

दहेज सबसे बड़ा सामाजिक अभिशापः गिरीश चंद्र यादव

बंधे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वैदिक रीति से विवाह की रस्में पूर्ण हुई और वर वधु ने एक दूसरे का हाथ पकड़ कर पूरे जीवन भर साथ-साथ जीने मरने की कसमें खाईं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तमाम व्यस्तताओं के चलते कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके। उन्होंने लाइव जुड़कर नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए हार्दिक बधाई दी।डिप्टी सीएम ने सुखमय जीवन एवं उज्जवल भविष्य के लिए ईश्वर से कामना की।उन्होंने कहा कि शादी के इस बंधन की यात्रा एक जन्म के बजाय सात जन्मो तक तय हो हिंदू धर्म में ऐसी मान्यता है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मोदी -योगी की डबल इंजन की सरकार गरीबों,पिछड़ों,दलितों, वंचितों तथा हर जाति -वर्ग को सम्मान दिलाने के लिए काम कर रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यमंत्री का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।वर कन्या को पुष्प वर्षा करके आशीर्वाद दिया।अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि शाहगंज के विधायक विधानसभा क्षेत्र को अलग पहचान दिलाने के संकल्प को पूरा कर रहे हैं इसमें कोई संशय नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को गरीबों के लिए वरदान बताया । खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री ने कहा कि दहेज सबसे बड़ा सामाजिक अभिशाप है।राज्यमंत्री ने बताया कि दहेज की समस्या का कहर गरीबों पर सबसे ज्यादा होता है । सरकार ने गरीबों के दर्द और गरीबी को समझा।बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि यह महोत्सव ऐतिहासिक है ।जो अपनी एक अलग मिसाल कायम कर रहा है।प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने कहा कि विधायक ने अद्वितीय कार्य करके तहसील क्षेत्र में ही नहीं बल्कि पूरे जिले में एक अलग कीर्तिमान स्थापित किया। मेधावल के विधायक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि यह भव्य आयोजन क्षेत्र के लिए नया अध्याय है जिसकी क्षेत्रवासियों ने कभी कल्पना नहीं की थी।शाहगंज के विधायक ने विधानसभा क्षेत्र का प्रथम महोत्सव बताते हुए के कहा कि विधानसभा क्षेत्र ने एक नया इतिहास लिखा। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गरीब की खुशहाली के लिए दृढ़ संकल्प ले लिया है। सरकार के इस नेक और सार्थक कदम से हर गरीब बाप की बेटियों को सम्मान मिल रहा है ।आदर्श मिश्रा हरिहरपुर संगीत घराना आजमगढ़ व प्रणव सिंह कान्हा के गीत पर दर्शक झूम उठे। जय श्री राम के नारों से पंडाल गूंज उठा।अध्यक्षता निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष गीता जायसवाल ने किया।इस अवसर पर पुष्पराज सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा,पवन पाल क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र, सुशील तिवारी जिला महामंत्री, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल ,सुईथाकला ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डा. उमेश चंद्र तिवारी गुरुजी,खुटहन के ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमार यादव, प्रदीप जायसवाल ,अजीत प्रजापति सदस्य माटी कला बोर्ड,विश्वनाथ प्रताप पीजी कॉलेज कलान के संस्थापक भोला नाथ सिंह व प्रबंधक डॉ राजीव प्रकाश सिंह, रामलीला समिति के अध्यक्ष रामनारायण अग्रहरी आदि लोग उपस्थित रहे।

दि लायर्स एसोसिएशन रामनगर द्वारा शपथ ग्रहण एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। साईं उत्सव वाटिका में दि लायर्स एसोसिएशन रामनगर के शपथ ग्रहण एवं होली मिलन समारोह व स्वागत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बार काउंसिल सदस्य हरिशंकर सिंह व विनोद कुमार पांडे व सेंटर बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रभु नाथ पांडे महामंत्री शशिकांत दुबे व बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह महामंत्री प्रदीप राय उपस्थित हुए जिनका स्वागत दि लायर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया व संस्था द्वारा रामनगर के वरिष्ठ पत्रकारों का भी स्वागत किया गया शपथ ग्रहण वरिष्ठ अधिवक्ता विजेंद्र लाल श्रीवास्तव जी द्वारा कराया गया जिसमें मुख्य रुप से संस्था के संरक्षक श्री मुरारी लाल यादव जी प्रभु नारायण पांडे जी अश्वनी राय जी लक्ष्मेश्वर नाथ शर्मा खालीद सिद्दीकी आजम सिद्दीकी अरुण राय विग्नेश्वर चौरसिया रमाशंकर शर्मा रामचंद्र यादव अब्दुल सत्तार रविंद्र नाथ पांडे आदि वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे संचालन उमेश पाठक जी द्वारा किया गया।

रेलवे के दोनो मान्यता प्राप्त फेडरेशनो की देन है एनपीएस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ का 19 व 20 मार्च दो दिवसीय जोनल अधिवेशन वाराणसी में लहरतारा स्थित इन्द्रप्रस्थ सामुदायिक केन्द्र मे चल रहा है कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रुप मे अनुपम जी, क्षेत्रीय सगठन मन्त्री (उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एव प्रभारी नेपाल राष्ट्र), अशोक कुमार शुक्ल राष्ट्रीय मन्त्री भारतीय मजदूर संघ,अनिल उपाध्याय प्रदेश मन्त्री भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश,जे पी गुप्ता सहायक मन्त्री भारतीय रेलवे मजदूर संघ , राधाभल्लव त्रिपाठी राष्ट्रीय सगठन मन्त्री भारतीय रेलवे मजदूर संघ , विशेश्वर राय अध्यक्ष पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ एवम अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश एवम सभी मण्डलों से आये सैकड़ों कार्यकर्ता एवम पदाधिकारी शामिल हुए कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए अनुपम जी ने कार्यकताओं को सगठन और समाज के प्रति निष्ठावान धैर्यवान और विवेकवान होने पर जोर दिया साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ और भारतीय मजदूर संघ के प्रत्येक कार्यकर्ता को सगठन के साथ-साथ समाज के कार्यो का भी निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी से करना होगा` आज भारतीय मजदूर संघ न सिर्फ भारत का बल्कि विश्व का सबसे बड़ा सगठन है इसलिए हमारे दायित्व भी ज्यादा है आज भारतीय मजदूर संघ एल-20 की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमे उन्नतालीस देशो के प्रतिनिधि शामिल है यह प्रतिनिधित्व इसलिए मिल पाया कि आज हमे मजदूरो की मान्यता प्राप्त है और हम मजदूर श्रेत्र मे पिछले तीस वर्षो से प्रथम स्थान पर हैं और यह हर कार्यकर्ता के लिये गर्व का विषय है अगले वक्ता के रुप मे अनिल उपाध्याय प्रदेश मन्त्री भारतीय मजदूर संघ उत्तर प्रदेश ने कार्यकताओं को एन पी एस पर जानकारी दी और रेल कर्मचारी से कहा की सच्चाई को पहचाने।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर केंद्र व राज्य कर्मचारी निकालेंगे रैली

प्रखर वाराणसी। "पुरानी पेंशन"ही बुढ़ापे का सहारा है बहाली को लेकर केंद्र व राज्य कर्मचारी 21 मार्च को प्रधान डाकघर नदेसर से जिला मुख्यालय तक रैली निकाल कर सरकार का ध्यानाकर्षण करेंगे, रैली की सफलता हेतु आज सिंचाई विभाग सिगरा कॉलोनी स्थित डिप्लोमा इंजीनियर संघ में आहूत बैठक में नार्दन रेलवे मेंस यूनियन ,केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समन्वय समिति, अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ, रेल डाक सेवा कर्मचारी संघ ,खादी ग्राम उद्योग कर्मचारी संघ, डिफेंस सिविलयन एम्पलाइज यूनियन, उत्तर प्रदेश मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस एसोसिएशन, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ,राज्य कर्मचारी महासंघ ,चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ एवं विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन शामिल रहे।

विवाहिता के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने व उसका गर्भपात कराने के मामले में तीन को मिलीं अग्रिम जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विवाहिता के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने व उसका गर्भपात कराने के मामले में सास-ससुर व नंद को कोर्ट से राहत मिल गयी` सत्र न्यायाधीश डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने ददरहा, कंसापुर, ज्ञानपुर संत रविदास नगर (भदोही) निवासी ससुर सुरेंद्र प्रताप सिंह, सास प्रेम बाला सिंह व नंद गरिमा सिंह को गिरफ्तार किये जाने की दशा में एक-एक लाख रुपये की दो जमानते एवं बंधपत्र देनें पर अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया` अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव,अजय पाल व रोहित यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादिनी ने बड़ागांव थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी आरोप था कि उसका विवाह 1 मई 2016 को ददरहा, कंसापुर, ज्ञानपुर संत रविदास नगर (भदोही) निवासी अमर दीप उर्फ भोले सिंह के साथ हुई थी। विवाह के बाद पति अमरदीप, ससुर सुरेंद्र सिंह, सास प्रेम बाला सिंह व नंद गरिमा सिंह दहेज में 20 लाख रुपये व गाडी की मांग को लेकर आए दिन प्रताड़ित करते थे` इस दौरान उसका पति ने जबरदस्ती दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया साथ ही उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करता था इसबीच ससुराल वालों ने तलाक देने का दबाव बनाते हुए बुरी तरह मारेपीटे और गला दबाते हुए जान से मारने का प्रयास किये ` जब उसने अपने माता-पिता को बुलाना चाहा तो उसका मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि विवाहिता शादी के बाद से ही अपने पति के साथ अलग रहती है। कभी भी उनलोगो द्वारा दहेज में न गाड़ी न रुपए मागा की गई और न ही कभी मारा-पीटा गया। अदालत ने पत्रावली के बाद तीनों आरोपितों को अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

साधन सहकारी समिति हरिनाथपुर खण्ड-बड़ागांव मे चुनाव अधिकारी ने किया सात लोगों का नामांकन पत्र अवैध

प्रखर वाराणसी। स्थानीय न्यायपंचायत ताड़ी अन्तर्गत साधन सहकारी समिति हरिनाथपुर खण्ड-बड़ागाव वाराणसी मे प्रबन्धन समिति सदस्य पद हेतु चौदह मार्च को नौ पद हेतु सत्रह लोगो ने नामांकन पत्र ब्लाक बड़ागाव मे किया था पन्द्रह मार्च 2023 को

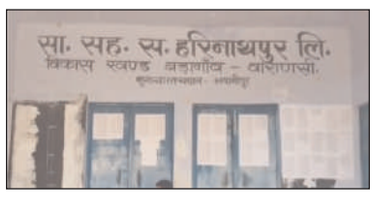

जाच व प्रकाशन होनी थी। जिसमे नौ लोगो ने अन्तिम सूची न मिलने के कारण अन्तरिम सूची का क्रमांक भर दिया था दो लोगो का एक बजे निर्वाचन अधिकारी ने संशोधित कर दिया ग्यारह बजे रामश्रृगार पाठक आकर अपना संशोधन करा गये थे उनका आरोप है कि उनके प्रतिद्वन्दी छेत्र के दबंग पेट्रोल पंप मालिक चुनाव अधिकरी को अपने दबाव विशेष संलिप्तता से हमारा नामांकन अबैध करा दिये। यह सूचना अन्य छः लोगो को जब पता चला भागे भागे पहुचे दो बजे उस समय चुनाव अधिकारी निर्विरोध निर्वाचित सदस्य एवं कथित अध्यक्ष पद के दावेदार के साथ चूनाव कछ मे जलपान कर रहे थे उन सबका कहना है अन्दर जाने से मना कर दिया तीन बजे कहने लगे आइये अब समय समाप्त हो गया हम प्रकाशन सूची बना लिए है। अब कुछ नही होगा अनपढ़ गवही किसानो का कहना था कि कही भी समय सारिणी चस्पा नही थी। अन्तिम मतदाता सूची भी उसी दिन चस्पा किया गया सचिव द्वारा जिस कारण हम सब अन्तितिम सूची से नामांकन मे क्रमांक भर दिया। महिला प्रत्यासी हिरावती देवी रोती रही अधिकरी महोदय सबका प्रार्थना पत्र एक पन्ने पर लिये 03:45 पर प्रार्थना पत्र 04:45 समय लिखकर प्रकाशन सूची चस्पा कर चार बजे चले गये। जिला निर्वाचन अधिकरी का कहना था किसानो से कि मतदाता क्रमांक त्रूटि सचिव मिलान कर नामांकन वैध कर सकते थे यह चूनाव अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है। किसी का नामांकन मतदाता क्रमांक त्रूटि के कारण अवैध नही होना चाहिए। छेत्र मे एक समिति पर एक तरफा हिरावती देवी, रामकिशून, प्रभु देवी,छेदी लाल, जियालाल , विनोद सिंह, राम श्रृंगार पाठक सात लोगो का नामांकन पत्र अवैध होना चर्चा का विषय है।

नन्हें जीनियस प्री स्कूल वाराणसी ने बहुत ही धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव व दीक्षांत समारोह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नन्हें जीनियस प्री स्कूल, सूरजकुंड, पुराना पान दरीबा, वाराणसी का वार्षिकोत्सव व दीक्षांत समारोह 19 मार्च 2023 को मैदागिन स्थित पराड़कर भवन टाउनहाल में दोपहर में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डॉ संजय सिंह, डॉ ममता सिंह, सपरिवार सम्मिलित हुए` विशिष्ट अतिथि श्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय वित्त एवं लेखाधिकारी तथा डॉ रागिनी प्रधानाचार्या, शिल्पायन म्यूजिक से व रूपमश्री तथा कई संभ्रांत व्यक्तियों ने सपरिवार उपस्थित रहकर नन्हें मुन्ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया` नन्हें जीनियस प्री स्कूल की श्रीनिका आचार्या तथा उसरा अशफाक ने शिक्षा ग्रहण कर दीक्षा प्राप्त की` विद्यालय के बच्चों को अलग - अलग स्पर्धा का पुरस्कार वितरण भी अतिथियों द्वारा किया गया पुरस्कार प्राप्त कर बच्चे अत्यधिक प्रसन्न थे इस अवसर पर चेयरमैन द्वारा आभार प्रकट करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों, अभिभावको, मीडिया के छायाकार,पत्रकार बंधुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मदरसा एजाजुल उलूम का वार्षिकोत्सव पुरस्कार वितरण समारोह

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। रविवार को नगर के मदरसा एजाजुल उलूम परिसर में वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्र छात्राओं को अतिथियो द्वारा पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम का आरम्भ कुरआन की तेलावत तथा हम्द पाक से हुआ । कार्यक्रम में मदरसे के छात्र मोहियउद्दीन काजी , मोहम्मद अरसलान , तथा छात्राओं फिजा बानो, तहरीम फातमा ,कुलसुम शिफा बानो, फिजा खां ने नातिया कलाम तथा तकरीर और संवाद पेश किया । कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियो नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष वसीम अहमद ,मोहम्मद असलम खान ,इंजीनियर मोहम्मद आबिद ,आफाक खान ,इंतखाब अंसारी, सभासद ग्यास अहमद , जमीर अहमद शाह द्वारा छात्र छात्राओं को मेडल व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया । मदरसा एजाजुल उलूम की वार्षिक परीक्षा में एल के जी मे प्रथम स्थान तूबा बानो द्वितीय स्थान गुलाम वारिस तृतीय स्थान मोहम्मद अहमद यूकेजी मे प्रथम स्थान मुहम्मद आरिफ द्वितीय स्थान गुलनाज बानो तृतीय स्थान जारा बानो ,कक्षा एक मे को प्रथम स्थान शाहीन बानो , द्वितीय स्थान रोजी बानो , तृतीय स्थान अबु तलहा अंसारी , कक्षा दो में प्रथम स्थान आएशा बानो ,द्वितीय स्थान मोहम्मद यासिर, तृतीय स्थान लाइबा बानो, कक्षा 3 में प्रथम स्थान अलीजा बानो, द्वितीय स्थान आत्तेफा बानो, तृतीय स्थान अलशिफा बानो, कक्षा 4 में प्रथम स्थान जन्नत खातून ,द्वितीय स्थान मोहम्मद हामिद रजा ,तृतीय स्थान सरीना खातून, कक्षा 5 में प्रथम स्थान नीलोफर, द्वितीय स्थान फिजा बानो , तृतीय स्थान मनतशा बानो, गर्ल्स सेक्शन मे कक्षा 6 प्रथम स्थान आएशा बानो द्वितीय स्थान हलीमा बानो, तृतीय स्थान तस्कीन फातमा , कक्षा 7 में प्रथम स्थान जोया खान ,द्वितीय स्थान कुलसुम ,तृतीय स्थान तहरीम बानो तथा कक्षा 8 मे रोजी बानो ने प्रथम स्थान की के पुरस्कार की ट्राफी अतिथियों के हाथों प्राप्त किया । इसके अलावा मदरसा के यू के जी की छात्रा सायरा बानो कक्षा तीन के ओसामा यजदानी तथा कक्षा 6 की आयशा बानो को उनकी विद्यालय मे शानदार उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में भर्ती मरीज अंधेरे में रहने को मजबूर

प्रखर केराकत जौनपुर । विद्युत आपूर्ति बाधित होने से क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है केराकत क्षेत्र के लगभग अधिकांश गावों की बिजली सप्लाई ठप्प हो गई है। बिजली सप्लाई बंद होने से सबसे बड़ी दिक्कत पानी और मोबाईल चार्जिंग को लेकर हो रही है।वही अगर कस्बे की बात करे तो गुरुवार सुबह से ही लाइट नहीं है। जिसके चलते सबसे अधिक कठिनाई पानी के लिए हो रही है।नागावासियो का कहना है कि जो पानी सीधे सप्लाई की जा रही है वह जनरेटर से की जा रही जिससे घरों के ऊपर बनी टंकी तक नही पहुंच रही है जिस कारण नल से पानी भर कर ऊपर पहुंचाया जा रहा है हलांकि नगर पंचायत की ओर से सभी 11 हो वार्डों में पानी सप्लाई के लिए 4 जनरेटर की व्यवस्था की है। ईओ संदीप कुमार ने बताया कि जिसमें से तीन जनरेटर पम्प चलाने के लिए जब कि एक जनरेटर ऊंचाई वाले स्थानों पर पानी पहुँचाने के लिए

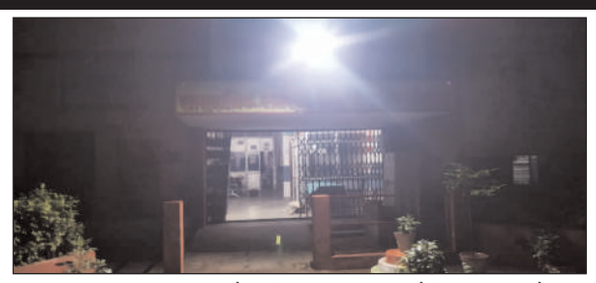

जगह जगह घुमाया जा रहा है।वही जिसके यहां सोलर लाइट या जनरेटर की व्यवस्था है उनके यहां मोबाइल चार्ज करने वालों की भीड़ लग रही है। गावों में तो लोग अपनी नींद पूरी कर ले रहे हैं लेकिन कस्बे के लोगों को रात करवट बदलते बीत रही है। अनेक लोग पानी और रात में लाइट पंखा के लिए प्राइवेट जनरेटर का सहारा ले रहे हैं।

सर्विस स्टेशन से तीन तो उपकेंद्र से चार फीडर का लिया गया है ब्रेक डाऊन – वही सर्विस स्टेशन धरौरा, जयगोपालगंज नईबाजार में पहुंच पड़ताल की गई तो बताया गया कि बजरंगनगर,चौरी व पम्प कैनाल को यहां से ब्रेक डाऊन किया गया है जबकि नईगंज,डोभी,केराकत नगर व केराकत ग्रामीण फीडर को चालू किया गया है।लेकिन वहां के उपकेंद्रों से ब्रेक डायन किया गया है।मगर विद्युत आपूर्ति कब बहाल होगी इस पर असमंजस बरकरार है

सामुदायिक केंद्र ने मोबाइल टार्च जलाकर अस्पताल कर्मी कर रहे काम– विद्युत आपूर्ति बाधित होने से सामुदायिक केंद्र में अपना उपचार करा रहे मरीजों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिसकी पड़ताल करने मीडिया लगभग पांच बजे पहुंची तो अस्पताल में अंधेरा था अस्पताल कर्मी अपने आफिस में बैठ मोबाइल टार्च के भरोसे काम करते कंप्यूटर पर देखा गया।साथ हीं अपातकालीन में भर्ती मरीजों के परिजन मोबाइल टार्च के सहारे मरीज को दवा खिला रहे था वही आपातकालीन कमरे चिकित्सक नदारत रहे।जिसको लेकर जब चिकित्सा अधीक्षक से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नही है कौन कह रहा है जिसपर पत्रकार ने कहा मैं खुद अस्पताल परिसर गया था जिसका वीडियो व फोटो मेरे पास है।जिसको सुनने के बाद अधीक्षक ने पता करने का हवाला देकर फोन काट दिये।इस संबंध में जब उपजिलाधिकारी से टेलीफोन कर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका मोबाइल बंद आ रहा था। चिकित्साधीक्षक से टेलिफोनिक वार्ता के बाद अस्पताल स्टॉप में हड़कम्प मच गया। आनन फानन मे जनरेटर चालू कर अस्पताल में उजाला किया गया।

पापुलर हास्पिटल में धूमधाम से हुआ होली मिलन डाक्टर ए.के. कौशिक ने पॉपुलर हॉस्पिटल द्वारा लांच हेल्थ फिट कार्ड की किया घोषणा

प्रखर वाराणसी। बीएलडब्लू स्थित पॉपुलर हॉस्पिटल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री अनिल राजभर,अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य , भाजपा वाराणसी जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा और पीएमओ कार्यालय के इन्चार्ज शिवसरण पाठक उपस्थित रहे` इस मौके पर पॉपुलर ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के चेयरमैन डाक्टर ए.के. कौशिक और मैनेजिंग डायरेक्टर किरण कौशिक ने अतिथियों स्वागत शाल और फूलों के हार पहना कर किया वे दीप प्रज्वलित कर समारोह आरंभ किया` अमलेश शुक्ला ने सभी अतिथियों को होली विशेष गीत गाकर मनोरंजन किया उन्होंने अपने कलाकृतियों के रंग से माहौल को जीत लिया` मुख्य अतिथि ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह समारोह बहुत ही आनंदमय रहा तथा अन्य अतिथियों ने अपने भाषण में सभी को शुभकामनाये दी` डाक्टर ए.के. कौशिक ने भी अपने भाषण में सभी को शुभकामनाये दी और अतिथियों का सम्मान किया एवं सभी पॉपुलर फैमिली के कार्य को सराहा साथ में उन्होंने हॉस्पिटल के भविष्य की योजनाओ के बारे में भी बताया उन्होंने पॉपुलर हॉस्पिटल द्वारा लांच हेल्थ फिट कार्ड की भी घोषणा की।

संक्षिप्त खबरें

पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य शिविर मेला का हुआ आयोजन, ब्लॉक प्रमुख ने किया उद्घाटन

प्रखर आजमगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय वृहद पशु आरोग्य शिविर (विकासखंड स्तरीय) का आयोजन ग्राम पंचायत टेकमलपुर मे रविवार को किया गया। मेले का उद्घाटन ब्लाक प्रमुख मुहम्मदपुर विजय विश्वकर्मा द्वारा गो पूजन एवं फीता काटकर किया गया। शिविर की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सुभाष यादव द्वारा की गई। एवं मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख विकासखंड मुहम्मदपुर विजय विश्वकर्मा द्वारा राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा पशुपालकों हेतु चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाएं जैसे निशुल्क कृत्रिम गभार्धान, बीमा योजना, टीकाकरण अभियान एवं केसीसी के बारे में जानकारी दी गई एवं पशुपालकों से अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वाहन किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ रमेश द्वारा पशुओं में बांझपन की समस्या और उसके उपचार के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया तथा पशुओं के पोषण और जोर देते हुए कहा गया कि हरा चारा एवं संतुलित आहार देने से बांझपन की समस्या समाप्त हो जाएगी । पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री सहभागिता योजना अंतर्गत गौशाला से गोवंश लिए जाने पर ?900 किसानों को दिए जाने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। मेले में छोटे-बड़े कुल 1175 पशुओं का पंजीकरण करते हुए समुचित उपचार एवं निशुल्क दवा वितरण किया गया। इस अवसर पर दयाराम, ज्ञानचंद, अखिलेश यादव, प्रमोद यादव, वेद प्रकाश, रणविजय एवं हरिश्चंद्र प्रसाद आदि पशुपालन कर्मी तथा अन्य ग्रामवासी मौजूद रहें।

अवैध गाजा संग चार अभियुक्त गिरफ्तार भेजे गए जेल

प्रखर गोसाई की बाजार /आजमगढ़ । गंभीरपुर पुलिस ने रविवार की सुबह लगभग 7:00 बजे थाना क्षेत्र के रोहुआ मुस्तफाबाद मोड़ पर वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर रानीपुर रजमो हाईवे पुल से चार गांजा तस्करो को गिरफ्तार कर जेल भेज। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार को थाना प्रभारी विजय प्रकाश मौर्य मय हमराह रोहुआ मोड़ पर वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे कि मुखबिर की सूचना मिली रानीपुर रजमो पुल पर एक बाइक लेकर दो व्यक्ति गाजा लेकर बेचने के फिराक में खड़े हैं तथा एक बाइक पर दो व्यक्ति गाजा खरीदने हेतु आने वाले हैं जल्दी किया जाए तो पकडे जा सकते हैं मुखबिर की सूचना पर विश्वास करते हुए थाना प्रभारी विजय प्रकाश मौर्य मय हमराह मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर पहुंचे तो पुलिस वालों को देखकर चारों अभियुक्त अपने बाइक स्टार्ट कर भागने लगे पुलिस वालों ने चारों व्यक्तियों को दौड़ाकर पकड़ लिया जिनके पास से तलाशी लेने पर अलग-अलग झोले में रखा 6 किलो 950 ग्राम गांजा बरामद हुआ पुलिस द्वारा चारों व्यक्तियों का नाम पता पूछा तो बताया संतोष राय पुत्र मेवा राय निवासी बिजौली थाना बरदह,उमाकांत चौहान पुत्र कैलाश चौहान निवासी मई खरगपुर थाना गंभीरपुर, तारा सिंह पुत्र मुन्नीलाल निवासी सुरजनपुर थाना गंभीरपुर व मोनू कुमार पुत्र फूल चंद निवासी सुरजनपुर थाना गंभीरपुर बताया चारों अभियुक्तों को पुलिस ने संबंधित धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया।

वाराणसी एलपीजी वितरक संघ द्वारा 68 टीवी मरीजों को दिया गया निःशुल्क दवा व पौष्टिक आहार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी एलपीजी वितरक संघ के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद अस्पताल भेलूपुर में मुख्य अतिथि स्वप्निल गर्ग विक्रय अधिकारी इंडियन आयल वाराणसी जोन व अस्पताल के निदेशक डॉक्टर के तिवारी के द्वारा वितरण किया गया ` मुख्य अतिथि स्वप्निल गर्ग ने कहा कि इस तरह के सामाजिक कार्य वाराणसी एलपीजी वितरक संघ व इंडियन आयल द्वारा लगातार किया जाएगा कार्यक्रम में मुख्य रूप से वाराणसी एलपीजी वितरक संघ के अध्यक्ष कुमार अग्रवाल, प्रवक्ता मनीष चौबे, सैयद अब्बास हैदर, श्रीमती ईती सिंह, अजय मिश्रा, अनूप गुप्ता,अखिलेश शुक्ला, वैभव गुप्ता, सुरेश यादव, अभिषेक इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

विद्युत कटौती के विरोध में व्यापारियों ने शव यात्रा निकालकर जताया विरोध

प्रखर जौनपुर। जिले के मुंगराबादशाहपुर में विद्युत कर्मचारियों के हड़ताल के चलते तीन दिन से लगातार विद्युत कटौती के विरोध में नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों का शव यात्रा निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया गया। रविवार को नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष आलोक गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की प्रतीकात्मक शव यात्रा नई बाजार से नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए स्टेशन रोड पर पहुंची जहां सांकेतिक शव को जलाकर विरोध जताया। नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता ने कहा कि सरकार व विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा मुंगराबादशाहपुर में विद्युत बहाल करने को लेकर सौतेला व्यवहार किया जा रहा है' जिला अधिकारी व विद्युत विभाग के अधिकारियों का आदेश मुंगरा बादशाहपुर में हवा हवाई साबित हो रहा हैं।लोग बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं ' पूरा नगर 3 दिन से अंधेरे में कि गुमनामी में जी रहा है लेकिन जिला अधिकारी समेत विद्युत विभाग के अधिकारी के कानों तक जूं तक नहीं रेंग रही है' आलम यह है कि छात्रों का बोर्ड की परीक्षा में पढ़ने के लिए दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है'व्यापारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अघोषित विद्युत कटौती बहाल नहीं की गई तो आक्रोशित व्यापारी धरना प्रदर्शन देने के लिए विवश होंगे। इस अवसर पर शैलेंद्र साहू, शिव कुमार लल्ला,अभिषेक केशरी, नंदलाल ,दीपू ,सुरेश सोनो, विश्वनाथ जायसवाल ,अमित गुप्ता, दीप केसरी, रवि गुप्ता ,दीपक गुप्ता ,रवी दुबे, अनुज जायसवाल ,पवन जायसवाल ,मयंक,तिवारी ,युवराज गुप्ता ,सुजीत गुप्ता ,अमित जायसवाल अभिसेक दुबे, कन्हैया रजक ,मनोज भोजवाल ,राकेश कुमार व नागेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ऑस्कर पुरस्कार विजेता गुनीत मोंगा का स्वागत करते उनके प्रशंसक। गुनीत मोंगा की एलीफेंट व्हिसपरर्स को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवार्ड मिला है।

ओटीटी पर रिलीज नहीं होगी ईशान खट्टर की फिल्म पिप्पा

मुंबई (आईएएनएस)। ईशान खट्टर की आगामी फिल्म 'पिप्पा' के निर्माताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज नहीं होगी। बृहस्पतिवार को, ऐसी खबरें थीं कि फिल्म 1971 के युद्ध पर आधारित है, डिजिटल रूप से रिलीज होगी क्योंकि फिल्म के निर्माताओं और मल्टीप्लेक्स मालिकों के साथ कुछ मतभेद चल रहा था। शुक्रवार को पीवीआर आईनॉक्स के कमल ज्ञानचंदानी, जो मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का भी

प्रतिनिधित्व करते हैं, के साथ प्रोड्यूसर रॉनी स्क्रूवाला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने एक संयुक्त बयान जारी किया। मेकर्स ने सभी अफवाहों का खंडन किया है।

रोनी स्क्रूवाला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और कमल ज्ञानचंदानी की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह एक लेख के संबंध में है जो कल एक अखबार के प्रकाशन में ओटीटी रिलीज के लिए पिप्ड शीर्षक के साथ छपा था, जिसने इसके बारे में कुछ पूरी तरह से निराधार दावे किए थे। इस लेख के प्रकाशन से पहले न तो निर्माताओं और न ही किसी मल्टीप्लेक्स ऑपरेटर से टिप्पणी के लिए संपर्क किया गया था। पीवीआरआईनॉक्स के रॉनी स्क्रूवाला, सिद्धार्थ रॉय कपूर और कमल ज्ञानचंदानी, जो इसके अध्यक्ष के रूप में मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का भी प्रतिनिधित्व करते हैं आरएसवीपी और रॉय कपूर फिल्म्स को मल्टीप्लेक्स ऑपरेटरों के साथ कोई समस्या नहीं है। बयान में कहा गया है, हम सभी भारत भर के सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री लाने के लिए एक साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सलमान किसी का भाई किसी का जान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी का जान का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के इस नए पोस्टर में 'सलमान खान' हैंडसम लुक से लोगों का दिल जीत रहे हैं। इस पोस्टर में सलमान खान फुल एटिट्यूड में दिख रहें हैं। ब्लैक कलर के कोट-पैंट में सलमान का कूल लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

सलमान फिल्म किसी का भाई किसी का जान में 'पूजा हेगड़े' के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। किसी का भाई किसी की जान का प्रोडक्शन सलमान खान के ही प्रोडक्शन हाउस ने किया है। यह एक एक्शन पैक्ड फिल्म है, जिसे फरहाद सम्जी ने निर्देशित किया है। सलमान और पूजा के अलावा इस फिल्म में शहनाज गिल, पलक तिवारी, वेंकटेश दग्गुबाती, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, अभिमन्यु सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल और विनाली भटनागर जैसे सितारे नजर आएंगे। वहीं फिल्म में हनी सिंह और 'आरआरआर' फेम राम चरण का केमियो रोल भी देखने को मिलेगा। किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सनी देओल- अमीषा पटेल की गदर 2 की शूटिंग पूरी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सन्नी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल की जोड़ी वाली फिल्म गदर 2 की शूटिंग पूरी हो गई है। सन्नी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'गदर 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा'की सीक्वल है। 'गदर 2' के आखिरी दिन की शूटिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक्शन सीन का शूट दिखाया गया है। वीडियो में फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा भी दिखाई दे रहे हैं। 'गदर 2' में सनी देओल और अमीषा पटेल जहां तारा और सकीना के रोल में नजर आएंगे, वहीं उत्कर्ष शर्मा उनके बेटे जीते के रोल में दिखेंगे। फिल्म की कहानी 1954 से 1971 के बीच की कहानी दिखाई जाएगी, जहां से पहला पार्ट खत्म हुआ था। इसी पीरियड में भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध को भी दिखाया जाएगा।

पृथ्वी जैसे ग्रहों तक कैसे पहुंचता है पानी?

अंतरिक्ष में पानी बताता है एक 'गोल्डीलॉक्स' तारा

चार्लोट्सविले (अमेरिका) (द कन्वरसेशन)। पानी के बिना, पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व नहीं हो सकता था। ब्रह्मांड में पानी के इतिहास को समझना यह समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि पृथ्वी जैसे ग्रह कैसे बने। खगोलविद आमतौर पर अंतरिक्ष में अलग-अलग अणुओं के रूप में बनने से लेकर ग्रहों की सतहों तक पहुंचने तक की यात्रा को 'पानी की यात्रा' के रूप में संदर्भित करते हैं। यह यात्रा तारों के बीच में पगडंडी की तरह हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस के साथ शुरू होती है और ग्रहों पर महासागरों और बर्फ की चोटियों के साथ समाप्त होती है, इसमें बर्फीले चंद्रमा गैस भंडारों और बर्फीले धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों की परिक्रमा करते हैं जो सितारों की परिक्रमा करते हैं। इस पगडंडी का आरंभ और अंत देखने में आसान है, लेकिन मध्य एक रहस्य बना हुआ है। एक नए पेपर में पानी के रास्ते के इस छिपे हुए मध्य भाग से बने पहले माप का वर्णन हैं और इन निष्कर्षों का पृथ्वी जैसे ग्रहों पर पाए जाने वाले पानी के लिए क्या मतलब है।

ग्रह कैसे बनते हैं

तारों और ग्रहों का निर्माण आपस में जुड़ा हुआ है। तथाकथित 'अंतरिक्ष की शून्यता' - या इंटरस्टेलर माध्यम - वास्तव में बड़ी मात्रा में गैसीय हाइड्रोजन, अन्य गैसों की थोड़ी मात्रा और धूल के कण होते हैं। गुरुत्वाकर्षण के कारण, अंतरतारकीय माध्यम के कुछ हिस्से अधिक सघन हो जाते हैं क्योंकि कण एक दूसरे को आकर्षित करते हैं और बादलों का निर्माण करते हैं। जैसे-जैसे इन बादलों का घनत्व बढ़ता है, अणु अधिक बार टकराने लगते हैं और बड़े अणुओं का निर्माण करते हैं, जिसमें पानी भी शामिल है जो धूल के दानों पर बनता है और धूल को बर्फ में ढक देता है।तारे तब बनने लगते हैं जब ढहने वाले बादल के हिस्से एक निश्चित घनत्व तक पहुंच जाते हैं और हाइड्रोजन परमाणुओं को आपस में जोड़ना शुरू करने के लिए पर्याप्त गर्म हो जाते हैं। चूंकि गैस का केवल एक छोटा सा अंश नवजात प्रोटोस्टार में शुरू में ढह जाता है, बाकी गैस और धूल, नवजात तारे के चारों ओर चक्कर लगाते हुए सामग्री की एक चपटी डिस्क बनाती है। खगोलविद इसे प्रोटो-ग्रहीय डिस्क कहते हैं। जैसे ही बर्फीले धूल के कण एक प्रोटो-प्लेनेटरी डिस्क के अंदर एक दूसरे से टकराते हैं, वे आपस में जुड़ने लगते हैं। यह प्रक्रिया जारी रहती है और अंततः अंतरिक्ष की परिचित वस्तुओं जैसे क्षुद्रग्रह, धूमकेतु, पृथ्वी जैसे चट्टानी ग्रह और बृहस्पति या शनि जैसे गैस दिग्गजों का निर्माण करती है।

पानी के स्रोत के लिए दो सिद्धांत

दो संभावित रास्ते हैं जो हमारे सौर मंडल में आने के लिए पानी द्वारा लिए हो सकते हैं। पहला, जिसे रासायनिक वंशानुक्रम कहा जाता है, वह है जब मूल रूप से इंटरस्टेलर माध्यम में बनने वाले पानी के अणुओं को बिना किसी बदलाव के प्रोटो-प्लेनेटरी डिस्क और उनके द्वारा बनाए गए सभी निकायों तक पहुंचाया जाता है। दूसरे सिद्धांत को रासायनिक रीसेट कहा जाता है। इस प्रक्रिया में, प्रोटो-ग्रहीय डिस्क और नवजात तारे के निर्माण से निकलने वाली गर्मी पानी के अणुओं को तोड़ देती है, जो प्रोटो-ग्रहीय डिस्क के ठंडा होने पर फिर से बन जाते हैं। इन सिद्धांतों का परीक्षण करने के लिए खगोलविद सामान्य पानी और एक विशेष प्रकार के पानी के बीच के अनुपात को देखते हैं जिसे अर्ध-भारी पानी कहा जाता है। पानी आमतौर पर दो हाइड्रोजन परमाणुओं और एक ऑक्सीजन परमाणु से बना होता है। अर्ध-भारी पानी एक ऑक्सीजन परमाणु, एक हाइड्रोजन परमाणु और ड्यूटेरियम के एक परमाणु से बना होता है - जो हाइड्रोजन का एक भारी समस्थानिक है जिसके नाभिक में एक अतिरिक्त न्यूट्रॉन होता है।

जलमार्ग को पूरा करना

2021 में, अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलीमीटर ऐरे ने छह घंटे के लिए वी883 ओरी का माप लिया। डेटा ने वी883 ओरी के प्रोटो-प्लैनेटरी डिस्क से आने वाले अर्ध-भारी और सामान्य पानी के एक मजबूत हस्ताक्षर का खुलासा किया। अर्ध-भारी से सामान्य पानी के अनुपात को मापा और पाया कि अनुपात धूमकेतु में पाए गए अनुपात के साथ-साथ युवा प्रोटोस्टार सिस्टम में पाए गए अनुपात के समान था। नए परिणाम निश्चित रूप से दिखाते हैं कि पृथ्वी पर पानी का एक बड़ा हिस्सा अरबों साल पहले सूर्य के प्रज्वलित होने से पहले बना था। ब्रह्मांड के माध्यम से पानी के रास्ते के इस लापता टुकड़े की पुष्टि करने से पृथ्वी पर पानी की उत्पत्ति का सुराग मिलता है।

अर्ध-भारी से सामान्य पानी का अनुपात पानी के सफर का एक मार्गदर्शक प्रकाश है - अनुपात को मापने से खगोलविदों को पानी के स्रोत के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। रासायनिक मॉडल और प्रयोगों से पता चला है कि एक प्रोटोप्लेनेटरी डिस्क की तुलना में ठंडे इंटरस्टेलर माध्यम में लगभग 1,000 गुना अधिक अर्ध-भारी पानी का उत्पादन होगा। इस अंतर का अर्थ है कि किसी स्थान पर अर्ध-भारी से सामान्य पानी के अनुपात को मापकर खगोलविद यह बता सकते हैं कि वह पानी रासायनिक विरासत या रासायनिक रीसेट मार्ग से चला गया या नहीं। ग्रह के निर्माण के दौरान पानी को मापना धूमकेतु में अर्ध-भारी से सामान्य पानी का अनुपात लगभग पूरी तरह से रासायनिक विरासत के अनुरूप होता है, जिसका अर्थ है कि अंतरिक्ष में पहली बार बनाए जाने के बाद से पानी में कोई बड़ा रासायनिक परिवर्तन नहीं हुआ है। पृथ्वी का अनुपात विरासत और रीसेट अनुपात के बीच कहीं बैठता है, जिससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि पानी कहां से आया है। वास्तव में यह निर्धारित करने के लिए कि ग्रहों पर पानी कहां से आता है, खगोलविदों को एक गोल्डीलॉक्स प्रोटो-प्लैनेटरी डिस्क खोजने की आवश्यकता थी - यह पानी के अवलोकन में मदद के लिए सही तापमान और आकार है।

कोहिनूर को विजय के प्रतीक के तौर पर प्रदर्शित करेगा ब्रिटेन

लंदन (भाषा)। विवादास्पद औपनिवेशिक काल के हीरे कोहिनूर को मई में 'टावर ऑफ लंदन' में आयोजित सार्वजनिक प्रदर्शनी में 'विजय के प्रतीक' के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। भारत कोहिनूर पर अपना दावा जताता रहा है।

ब्रिटेन के महलों का प्रबंधन देखने वाली संस्था 'हिस्टोरिक रॉयल पैलेसेज'

(एचआरपी) ने इस सप्ताह कहा था कि प्रदर्शनी में कोहिनूर के इतिहास को भी प्रदर्शित किया जाएगा। दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताज में यह हीरा जड़ा हुआ है, जिसे पहनने से नई महारानी कैमिला ने इनकार कर दिया था। अब यह ताज 'टावर ऑफ लंदन' में रखा हुआ है। इस साल छह मई को महाराजा चार्ल्स द्वितीय और उनकी पत्नी कैमिला की ताजपोशी होनी है, जिसमें कैमिला यह ताज नहीं पहनेंगी। एचआरपी ने नयी प्रस्तावित प्रदर्शनी का जिक्र करते हुए कहा, 'महारानी एलिजाबेथ के ताज में जड़े कोहिनूर के इतिहास को विजय के प्रतीक के रूप में बयां किया जाएगा।

इटली में बनेगा दुनिया का सबसे लंबा पुल

रोम (वार्ता)। इटली सरकार ने देश की मुख्य भूमि और भूमध्यसागर में स्थित सिसली द्वीप के बीच दुनिया के सबसे लंबे पुल के निर्माण की मंजूरी दे दी है। विनिर्माण एवं परिवहन मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक यह पुल इटली की इंजीनियरिंग गुणवत्ता का नायाब नमूना होगा।

बयान में कहा गया है कि पुल के निर्माण के लिए वित्त मंत्रालय और विनिर्माण मंत्रालय की ओर से प्रारंभिक रूप से बजट आवंटित किया जायेगा। पुल बन जाने के बाद टोल शुल्क के जरिए यह पैसा कई वर्षों में वसूला जायेगा। इटली के उप प्रधानमंत्री मैट्टिओ सालविनी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से पर्यावरण मित्र होगा और इससे परिवहन के दौरान गाडियों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आयेगी। इसकी मदद से पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा ही साथ ही इलाके की ओर उद्योग भी आकर्षित होंगे।

यूं तो केलेब्रिया के पश्चिमी छोर से सिसली द्वीप को सबसे पूर्वोत्तर छोर साफ नजर आता है लेकिन दोनों भू क्षेत्रों के बीच गहरी जलराशि और तेज जलधाराएं इस पुल को बनाने के लिए इंजीनियरों के सामने एक कठिन चुनौती के रूप में मौजूद है। पुल को लेकर एक तकनीकी अनुमान के अनुसार यह पुल 3666 मीटर लंबा होगा जिसका एक ही स्पैन 3300 मीटर का होगा। हालांकि इटली मेसिना पुल परियोजना का बजट और पूरा करने की समय सीमा अभी तक बतायी नहीं गयी है लेकिन पूर्वानुमान के तहत इस परियोजना को 8 5 अरब यूरो की लागत से कम से कम छह साल में पूरा किया जा सकेगा। बयान में कहा गया कि यह परियोजना 2011 में बने पुरानी योजना पर आधारित है जिसमें नयी तकनीक, सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों का पूरा ध्यान रखा गया है।

■ पुल 3666 मीटर लंबा होगा जिसका एक ही स्पैन 3300 मीटर का होगा

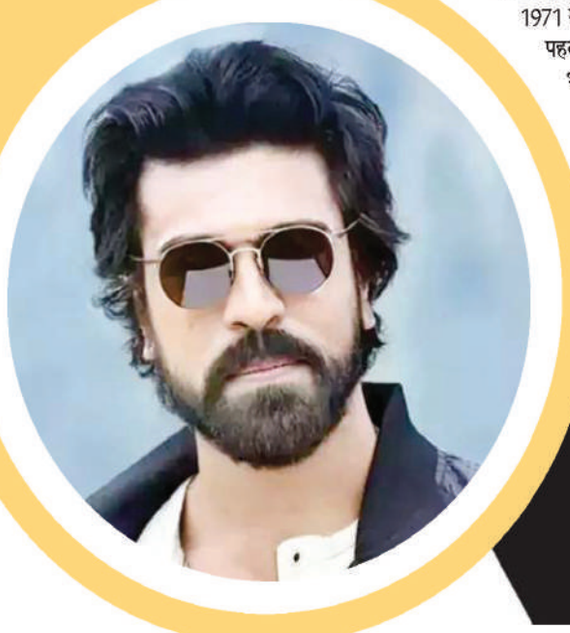

नाटु नाटु राष्ट्र का गाना है : राम चरण

नई दिल्ली (आईएएनएस)। फिल्म आरआरआर से नाटु नाटु के लिए बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का ऑस्कर जीतने के बाद वापस भारत लौटे अभिनेता राम चरण और पत्नी उपासना का शुक्रवार सुबह नई दिल्ली हवाईअड्डे पर स्वागत किया गया।

कपल का फैंस और मीडिया कर्मियों ने उत्साह से स्वागत किया। भीड़ के चलते राम चरण ने सावधानी से अपनी पत्नी को कार तक पहुंचाया। एयरपोर्ट से निकलने से पहले राम चरण ने इंतजार कर रही मीडिया टीमों के साथ कुछ बातें की। उन्होंने मीडिया के सवालों का हिंदी में जवाब दिया। राम चरण ने कहा, यह हमारा सॉन्ग नहीं है। नाटु नाटु राष्ट्र का गाना है। आपके प्यार ने इसे ऑस्कर तक पहुंचाया और वहां जीतने का मौका दिया।

हीरामंडी के लिए कंफर्ट जोन से बाहर आई ऋचा चड्ढा

मुंबई (आईएएनएस)। जल्द ही संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आने वाली एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साझा किया है कि इस प्रोजेक्ट पर काम करने के दौरान वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकल आई थीं।

एक्ट्रेस ने कहा-संजय सर दूरदर्शी, जादूगर कहानीकार हैं। एक कलाकार के तौर पर मैंने कभी भी अपने कम्फर्ट जोन से बाहर इतना खिंचा हुआ महसूस नहीं किया। कई बार, मैं सेट पर जाती हूं और निर्देशक मुझसे कहते हैं, आप तो कर ही लोगी, आप इस फिल्म में, उस फिल्म में बहुत अच्छे थे। उन्होंने कहा, यह उतना आसान नहीं है जितना दिखता है क्योंकि हर कोई आगे बढ़ता रहता है। एक्ट्रेस ने आगे कहा-ईमानदारी से कहूं तो 10 साल पहले की बात कहने का मन कर रहा है, मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो मैं एक साल पहले थी। मैं आगे बढ़ गई हूं, मैं एक निर्देशक की एक्ट्रेस हूं, मुझे अपनी अधिकतम क्षमता तक जाना पसंद है। मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है। मुझे संजय सर के साथ काम करना अच्छा लगा, क्योंकि वह सहयोग करते हैं।भंसाली के साथ हीरामंडी उनका दूसरा प्रोजेक्ट है, जिसमें पहली गोलियों की रासलीला- राम लीला है, जिसे लगभग एक दशक हो चुका है। उन्होंने कहा, मैं एक ऐसे निर्देशक के साथ काम करना पसंद करूंगी, जो खुद को उच्च स्तर पर रखता है। एसएलबी और किसी भी क्षमता में उनकी परियोजना से जुड़ा होना हमेशा एक सम्मान की बात है। और मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे वह मौका दो बार मिला, पहला गोलियां की रासलीला- राम लीला, लेकिन हीरामंडी का हमेशा विशेष स्थान रहेगा।

खबर संक्षेप

रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ 82.58 प्रति डॉलर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपये में चार दिन से जारी गिरावट के सिलसिले पर 'ब्रेक' लगा। घरेलू शेयर बाजार में तेजी के रुख के बीच डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे की तेजी दर्शाता 82.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी बाजारों में डॉलर के कमजोर होने से भी रुपये को समर्थन मिला।

सेबी ने एफपीआई के लिए खुलासा नियमों को किया सख्त

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए खुलासा नियमों को सख्त किया है। इसके तहत उनसे अपनी संरचना और साझा स्वामित्व में किसी भी बड़े बदलाव का सात कार्य दिवसों के भीतर खुलासा करने को कहा गया है। सेबी नये एफपीआई पंजीकरण के संबंध में जरूरत पर उनसे कोई भी अतिरिक्त दस्तावेज मांग सकता है।

सोना 400 रुपए मजबूत चांदी 430 रुपए फिसली

नई दिल्ली। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 58,040 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। एचडीएफसी ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

मेडन फोर्जिंग्स का आईपीओ 22 मार्च को आएगा

नई दिल्ली। इस्पात की छड़ें और तार की विनिर्माता कंपनी मेडन फोर्जिंग्स ने बताया कि उसकी योजना आईपीओ के जरिए 24 करोड़ रुपये जुटाने की है। आईपीओ 22 से 24 मार्च तक खुला रहेगा। इसमें कुल 37,84,000 इक्विटी शेयरों की पेशकश की जाएगी जिनमें से लगभग 17,97,000 शेयर पात्र संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित रखे जाएंगे।

कबीरा मोबिलिटी ने कतर के समूह से 412 करोड़ रुपए जुटाए

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी कबीरा मोबिलिटी ने कतर के अल-अब्दुल्ला समूह से पांच करोड़ डॉलर (करीब 412 करोड़ रुपये) की पूंजी जुटाई है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पणजी की कंपनी इस राशि का उपयोग देश में अपनी भविष्य की वृद्धि के लिए करेगी।

डीजीसीए गर्मियों में 23 हजार घरेलू उड़ानों का करेंगी संचालन

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइन 26 मार्च से शुरू हो रहे ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के दौरान कुल 22,907 साप्ताहिक घरेलू उड़ानों का संचालन करेंगी। यह संख्या शीतकालीन कार्यक्रम की तुलना में 4.4 प्रतिशत अधिक है जब 21,941 साप्ताहिक उड़ानों का संचालन किया गया था। विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम 26 मार्च से शुरू होकर 28 अक्टूबर तक चलेगा।

अब रॉकेट बनेंगे अदाणी ग्रुप के ये तीन शेयर, सर्विलांस मैकेनिज्म से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप के शेयरों में एक महीने से भी अधिक समय तक गिरावट के बाद तेजी आई थी। इस कारण स्टॉक एक्सेंजेज ने ग्रुप के कुछ शेयरों को शॉर्ट टर्म एडिशनल सर्विलांस मैकेनिज्म फ्रेमवर्क में डाल दिया था। लेकिन अब इन शेयरों को इस फ्रेमवर्क से बाहर कर दिया गया है। यह व्यवस्था शुक्रवार से लागू हो गई। इसमें अदाणी ग्रुप की तीन कंपनियां अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पावर और अदाणी विल्मर शामिल हैं। शेयरों में भारी उतारचढ़ाव को देखते हुए एक्सचेंज उन्हें शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म एडिशनल सर्विलांस फ्रेमवर्क में डाल देते हैं। निवेशकों को स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग से बचाने के लिए ऐसा किया जाता है। इन तीन शेयरों को एक हफ्ते पहले ही इस फ्रेमवर्क में डाला गया था।

- निवेशकों को स्पेकुलेटिक ट्रेडिंग से बचाने के लिए ऐसा किया गया था

अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पावर और अदाणी विल्मर के शेयर शामिल

इन तीन शेयरों को राहत नहीं

अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी विल्मर और अदाणी पावर को नौ मार्च को सर्विलांस में डाला गया था। तबसे अदाणी एंटरप्राइजेज में छह फीसदी, अदाणी विल्मर में 11 फीसदी और अदाणी पावर में 1.5 फीसदी गिरावट आई है। हालांकि अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी टोटल गैस लॉन्ग टर्म एडिशनल सर्विलांस फ्रेमवर्क में बने रहेंगे। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अदाणी ग्रुप के बारे में एक निगेटिव रिपोर्ट जारी की थी। इसके बाद ग्रुप के शेयरों में एक महीने से अधिक समय तक गिरावट आई थी।

कंपनी ने कई कर्ज किए चुकता

इस हफ्ते ग्रुप ने 2.15 अरब डॉलर के मार्जिन लिंक्ड शेयर बैक्ड कर्ज के फुल पेमेंट की घोषणा की। ग्रुप को 31 मार्च तक यह कर्ज चुकाना था। इसके अलावा प्रमोटर्स ने अंजूबा सीमेंट्स को खरीदने के लिए लिया गया 50 करोड़ डॉलर का कर्ज भी चुका दिया है। इससे पहले ग्रुप ने 7,374 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाकर अदाणी पोर्ट्स, अदाणी ट्रांसमिशन और अदाणी ग्रीन के गिरवी शेयर छुड़ाए थे।

कर्ज के मोर्चे पर अदाणी समूह को मिली राहत

इससे ग्रुप को कर्ज के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है। ग्रुप पर लगे आरोपों की मार्केट रेगुलेटर सेबी जांच कर रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अदाणी ग्रुप ने शेयरों के साथ छेड़छाड़ की थी। हालांकि ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया है।

अदाणी ग्रीन ने छुआ अपर सर्किट

इस फ्रेमवर्क से बाहर होने के बाद अब इन शेयरों में भारी तेजी आ सकती है। शुक्रवार को अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1.64 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ था। दूसरी ओर अदाणी पावर में 0.55 फीसदी और अदाणी विल्मर में 1.63 फीसदी की तेजी आई। अदाणी ग्रुप के दस लिस्टेड शेयरों में से सात आज तेजी के साथ बंद हुए जबकि चार में गिरावट आई। अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर पांच फीसदी का अपर सर्किट छूने के साथ बंद हुआ। अदाणी ट्रांसमिशन में 5 फीसदी की तेजी और अंबूजा सीमेंट्स अपने पूर्व स्तर पर बंद हुआ।

दोनों तरह के असंतुलन वित्तीय स्थिरता के लिए हानिकारक

रिजर्व बैंक गवर्नर ने बैंकों को परिसंपत्ति देनदारी असंतुलन के प्रति किया आगाह

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को बैंकों को किसी भी तरह के परिसंपत्ति-देनदारी असंतुलन के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि दोनों तरह के अंसतुलन वित्तीय स्थिरता के लिए हानिकारक हैं।

दास ने संकेत दिया कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में जारी संकट इस तरह के असंतुलन से पैदा हुआ है। गवर्नर ने कोच्चि में वार्षिक के पी होर्मिस (फेडरल बैंक के संस्थापक) स्मारक व्याख्यान में कहा कि घरेलू वित्तीय क्षेत्र स्थिर है और महंगाई का बुरा दौर पीछे छूट गया है।

अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में जारी संकट इसी तरह के असंतुलन के कारण

- देश के घरेलू वित्तीय क्षेत्र स्थिर है
- महंगाई का बुरा दौर पीछे छूट गया
- हमारा बाहरी ऋण प्रबंधन योग्य है

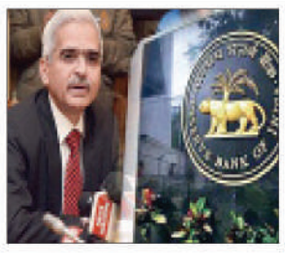

ऋण जोखिम वाले देशों के सामने चुनौतियां बढ़ी

विनिमय दरों में जारी अस्थिरता के कारण बाहरी ऋण चुकाने की क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में दास ने कहा, 'हमें डरने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारा बाहरी ऋण प्रबंधन योग्य है। डॉलर की मजबूती से हमारे लिए कोई समस्या नहीं है।' गौरतलब है कि डॉलर की कीमत बढ़ने के कारण उच्च बाहरी ऋण जोखिम वाले देशों के सामने चुनौतियां बढ़ी हैं।

डॉलर की कीमत बढ़ने से जोखिम बढ़ा गवर्नर का अपने भाषण का ज्यादातर हिस्सा भारत की जी20 अध्यक्षता पर केंद्रित रहा। उन्होंने कहा कि दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह (जी20) को डॉलर की कीमत बढ़ने के कारण उच्च बाहरी ऋण जोखिम वाले देशों की मदद करने के लिए समन्वित प्रयास करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जी20 को सबसे अधिक प्रभावित देशों को जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण देना चाहिए।

निजी डिजिटल मुद्राओं की आलोचना: दास ने कहा कि मौजूदा अमेरिकी बैंकिंग संकट साफ तौर पर वित्तीय प्रणाली के लिए निजी क्रिप्टोकरेंसी के जोखिमों को दर्शाता है। वह निजी डिजिटल मुद्राओं के खुले आलोचक रहे हैं।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रकिया जारी : दीपम

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रकिया निर्धारित रणनीतिक बिक्री प्रक्रिया के मुताबिक चल रही है। उसने मीडिया में आई उन खबरों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा जा रहा था कि आईडीबीआई का विनिवेश टल सकता है। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने कहा कि बैंक में हिस्सेदारी की बिक्री अभिरुचि पत्र (ईओआई) के चरण से आगे निकल गई है।

सरकार व एलआईसी की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी : आईडीबीआई बैंक में सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी समेत कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए गत अक्टूबर में संभावित खरीदारों से बोलियां आमंत्रित की गई थीं। फिलहाल इस बैंक में सरकार और एलआईसी दोनों की मिलाकर 94.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

टिकाऊ वृद्धि पर जोर : अमेरिकी बैंकिंग संकट पर उन्होंने कहा कि इससे मजबूत नियमों का महत्व पता चलता है, जो अत्यधिक परिसंपत्ति या देनदारी तैयार करने की जगह टिकाऊ वृद्धि पर जोर देते हैं। पिछले सप्ताह अमेरिका में दो मध्यम आकार के बैंक - सिलिकॉन वैली बैंक और फर्स्ट रिपब्लिक बैंक बंद हो गए थे।

जनवरी में शुरुआती दौर की कई बोलियां मिली थी

दीपम सचिव तुहीन कांत पांडेय ने ट्वीट किया, 'विभिन्न ईओआई मिलने के बाद लेनदेन अब निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ रहा है।' सरकार को आईडीबीआई बैंक में उसकी तथा एलआईसी की करीब 61 प्रतिशत हिस्सेदारी की रणनीतिक बिक्री के लिए जनवरी में शुरुआती दौर की कई बोलियां मिली थीं।

तीस अरब डॉलर के राहत पैकेज से बचा अमेरिका का फर्स्ट रिपब्लिक बैंक

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में से 11 बैंकों ने 'फर्स्ट रिपब्लिक बैंक' के लिए 30 अरब डॉलर के राहत पैकेज की घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में जारी संकट को और गहराने से रोकना है।

मदद नहीं मिलने की स्थिति में 'फर्स्ट रिपब्लिक बैंक' एक हफ्ते से भी कम समय में विफल होने वाला तीसरा बैंक बन जाता। फर्स्ट रिपब्लिक बैंक भी सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के समान संकट का सामना कर रहा था और उसके ग्राहक भी एसवीबी के ग्राहकों के समान ही हैं। एसवीबी शुक्रवार को तब संकट में आ गया था जब उसके जमाकर्ताओं ने कुछ ही घंटों में 40 अरब डॉलर की राशि निकाल ली थी। फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के पास बीते साल 31 दिसंबर तक कुल 176.4 अरब डॉलर का जमा था। बैंकों के समूह ने एक बयान जारी करके कहा कि कई बैंकों से बड़े पैमाने पर जमा निकली गई है जो फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) द्वारा तय स्तर से अधिक है। बैंकों ने संयुक्त बयान में कहा, अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों ने जो कदम उठाए हैं वे देश की बैंकिंग प्रणाली में उनके भरोसे को दर्शाता है। हम अपनी वित्तीय ताकत और नकदी को बड़ी प्रणाली में डाल रहे हैं, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

फर्स्ट रिपब्लिक के शेयर 36 प्रतिशत तक गिर गए थे लेकिन राहत पैकेज की खबरें आने पर इनमें तेजी आई। देश के बैंकिंग नियामकों ने बयान जारी करके इस राहत पैकेज की सराहना की।

- अमेरिका की सबसे बड़े बैकों में से 11 बैंकों की घोषणा
- उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में जारी संकट को और गहराने से रोकना

बड़े बैंकों का समर्थन स्वागत योग्य: पॉवेल

बैंकों के इस कदम के बाद वित्त मंत्री जेनेट येलेन, मुद्रा के कार्यवाहक नियंत्रक माइकल हसू, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल और एफडीआईसी के अध्यक्ष मार्टिन ग्रुएनबर्ग ने एक बयान में कहा, 'बड़े बैंकों के समूह ने जो समर्थन दिखाया है वह स्वागत योग्य है और यह बैंकिंग प्रणाली के जुझारूपन को दिखाता है।'

टाटा कंज्यूमर की बिसलेरी के अधिग्रहण के लिए बातचीत बंद

- टीसीपीएल ने अफवाहों को विराम देने शेयर बाजार को दी जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टाटा समूह की रोजमर्रा के इस्तेमाल के उत्पाद (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) की बोतलबंद पानी की कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल के अधिग्रहण के लिए बातचीत 'बंद' हो गई है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

संभावित अधिग्रहण को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए टीसीपीएल ने शेयर बाजार को बताया कि बिसलेरी के अधिग्रहण को लेकर उसने कोई समझौता नहीं किया है। टीसीपीएल ने कहा, 'इस संबंध में कंपनी बताना चाहती है कि उसने बिसलेरी को लेकर बातचीत बंद कर दी है और कंपनी ने इस संबंध में कोई समझौता नहीं किया है।' टाटा समूह की कंपनी ने हालांकि कहा कि वह अपने कारोबार के विकास और विस्तार के लिए विभिन्न रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन करती रहेगी। कंपनी का प्रबंधन बिसलेरी इंटरनेशनल सहित विभिन्न पक्षों के साथ चर्चा करता रहेगा।

चौहान कर रहे थे खरीदार की तलाश

बिसलेरी के मालिक उद्योगपति रमेश चौहान ने पिछले साल कहा था कि 'वह बिसलेरी के लिए खरीदार तलाश रहे हैं और टीसीपीएल समेत कई खरीदारों के संपर्क में हैं।'

स्टरलाइट पावर को राजस्थान में मिली हरित ऊर्जा परियोजना...

नई दिल्ली। स्टरलाइट पावर को राजस्थान में एक हरित ऊर्जा पारेषण परियोजना मिली है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि उसे यह परियोजना शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीपी) प्रक्रिया के जरिये मिली है। उसे पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड की ओर से इस परियोजना के निर्माण के लिए बूट (निर्माण, स्वामित्व, परिचालन एवं हस्तांतरण) के आधार पर 35 वर्ष की अवधि के लिए एक आशय-पत्र मिला है। इसमें राजस्थान के फतेहगढ़, माढला और रामगढ़ क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से ऊर्जा निकाली जाएगी।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन उछाल

- सेंसेक्स 355 अंक और मजबूत
- धातु, बैंक के शेयरों में रही खरीदारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच धातु, बैंक और वित्तीय शेयरों में लिवाली से शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला लगातार दूसरे दिन जारी रहा और सेंसेक्स 355 अंक और चढ़ गया। इसके अलावा मजबूत होते रुपये और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भी धारणा मजबूत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 355.06 अंक की बढ़त के साथ 57,989.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 114.45 अंक की बढ़त के साथ 17,100.05 अंक पर बंद हुआ।

अदाणी समूह की सात कंपनियों के शेयर चढ़े

शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच अदाणी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से सात के शेयर शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर भी दो प्रतिशत चढ़ गया। अदाणी एंटरप्राइजेज समेत समूह की सात कंपनियों के शेयर लाभ के साथ बंद हुए, जबकि तीन में नुकसान रहा।

टीसीएस के नए सीईओ को ग्राहक आपूर्ति दोगुना होने का भरोसा

- नए कार्य संस्कृति में महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव नहीं होते

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मनोनीत मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के कृतिवासन ने शुक्रवार को कहा कंपनी की कार्य संस्कृति में नए प्रमुख के कार्यभार संभालने पर महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव नहीं होते हैं। वह ग्राहक आपूर्ति बढ़ाने को लेकर आशान्वित हैं। टीसीएस के छह साल से सीईओ रहे राजेश गोपीनाथन ने बृहस्पतिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। गोपीनाथन के दूसरे कार्यकाल में चार साल से अधिक का समय बाकी था। वह 15 सितंबर को अपना पद छोड़ देंगे। कंपनी ने कहा कि उसके बीएसएफआई श्रेणी के अध्यक्ष कृतिवासन तत्काल प्रभाव से सीईओ के रूप में कंपनी का नेतृत्व करेंगे।

बाजार की मांग को देखते हुए बदलाव होगा : हम ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम जारी रखेंगे। बाजार की मांग को देखते हुए बदलाव होंगे। उन्होंने कहा, 'वन टीम' की हमारी संस्कृति बनी रहेगी। उन्होंने कहा, 'कंपनी में जब कोई नया सीईओ आता है तो हम रणनीतिक रूप से नहीं बदलते हैं। लेकिन हम अपने ग्राहकों के अनुसार बदलेंगे।' उन्होंने कहा, 'मैं आपूर्ति को दोगुना करने की उम्मीद करता हूं।

बिजनेस साइट

चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर शोरूम का भव्य शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ का पहला चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर शोरूम का वंदना ऑटो में भव्य शुभारंभ किया गया। वंदना ऑटो आश्रम चौक रामकुंड विगत 35 वर्षों से ग्राहकों की सेवा में तत्पर है। अब इसी की नई श्रृंखला में चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर की एक पहल अब चेतक रायपुर में एक्सक्लूसिव शोरूम के साथ उपलब्ध है। जहां ग्राहकों को गाड़ी खरीदने के साथ ही सर्विसिंग की सेवा भी उपलब्ध है। उद्घाटन अवसर पर जोनल हेड भानु वाधवानी ने बताया कि चेतक स्कूटर फुल्ली मेटालिक बॉडी से बनी है। साथ ही यह लाल, काला, नीला, गोल्डन रंगो में उपलब्ध है। फुल चार्ज पे 108 कीमी की रेंज, जिसकी शुरुवाती कीमत 1 लाख 21 हजार एक्स शोरूम कीमत है। और फुल फीचर से लैस है। उद्घाटन पर वंदना ऑटो के जनरल मेनेजर सुमित चावड़ा ने 50 कस्टमरों को गाड़ी की चाबी के साथ उपहार देकर डिलीवरी दी।

एक होंगे एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक, होगा देश का सबसे बड़ा मर्जर

- एनसीएलटी ने 17 मार्च को दोनों के विलय की मंजूरी दे दी
- विलय से ज्वाइंट यूनिट के लिए विकास के बड़े अवसर पैदा होंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के प्राइवेट सेक्टर का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक और उसकी पेरेंट कंपनी यानी एचडीएफसी बहुत जल्द एक होने जा रहे हैं। संपत्ति गिरवी रख होम लोन देने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एचडीएफसी लिमिटेड भी बैंक में ही मिल जाएगी।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने 17 मार्च को दोनों के विलय को मंजूरी दे दी है। इसे भारत के कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा विलय माना जा रहा है। एचडीएफसी बैंक को आरबीआई पहले ही टू बिग टू फेल बैंक की कैटेगरी में रख चुका है। अब जब इसका विलय एचडीएफसी लिमिटेड के साथ हो जाएगा, तब ये देश के चुनिंदा बड़े बैंकों में शुमार होगा।

कॉरपोरेट हिस्ट्री का सबसे बड़ा मर्जर

इसे भारत के कॉरपोरेट हिस्ट्री में सबसे बड़ा ट्रांजेक्शन कहा जा रहा है। एचडीएफसी बैंक ने पिछले साल 4 अप्रैल को, लगभग 40 बिलियन डॉलर की डील में सबसे बड़े घरेलू लेंडर को लेने के लिए सहमति व्यक्त की, जिससे एक वित्तीय सेवा टाइटन का निर्माण हुआ। प्रस्तावित इकाई के पास लगभग 18 लाख करोड़ रुपये के ज्वाइंट असेट्स बेस होगा। एक बार डील प्रभावी होने के बाद, एचडीएफसी बैंक सार्वजनिक शेयरधारकों के स्वामित्व में 100 प्रतिशत होगा, और एचडीएफसी के मौजूदा शेयरधारक बैंक के 41 फीसदी के मालिक होंगे। प्रत्येक एचडीएफसी शेयरधारक को प्रत्येक 25 शेयरों के लिए एचडीएफसी बैंक के 42 शेयर मिलेंगे।

सेबी, सीसीआई भी दे चुका मंजूरी

एचडीएफसी लिमिटेड के एचडीएफसी बैंक में विलय को भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, पीएफआरडीए और सीसीआई पहले ही हरी झंडी दिखा चुके हैं। वहीं भारत के स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई से परमीशन मिल चुकी है।

दूसरी या तीसरी तिमाही में पूरा होगा मर्जर

इस बीच, बीएसई पर आज देर से कारोबार के दौरान एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के शेयर क्रमशः 1.7 प्रतिशत बढ़कर 2,575.95 रुपए और 1,578.65 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। एचडीएफसी-एचडीएफसी बैंक का मर्जर वित्त वर्ष 2024 की दूसरी या तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

2015 में ही आ गया था मर्जर का विचार : मिस्त्री ने कहा कि धीरे-धीरे, उद्देश्य बैंक की अधिक से अधिक शाखाओं से होम लोन का विस्तार करना है। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक का मर्जर कुछ समय से चर्चा में है। वास्तव में, 2015 में पारेख ने कहा था कि उनकी फर्म एचडीएफसी बैंक के साथ मर्जर पर विचार कर सकती है, बशर्ते परिस्थितियां अनुकूल हों।

रूंगटा इंटरनेशनल स्कूल व जगदलपुर में आदेश्वर अकादमी का प्रवेश

रायपुर। उड़िसा के साथ-साथ विकास ने अपने बैनर तले रायपुर में रूंगटा इंटरनेशनल स्कूल और जगदलपुर में आदेश्वर अकादमी के साथ छत्तीसगढ़ में अपना प्रवेश किया है। उड़िसा का विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस पिछले दो दशकों से उड़िया व आस-पास के राज्यों में गुणात्मक सीबीएसई के-12 शिक्षा प्रदान कर रहा है।

जिसमें राज्य भर के 15 हजार से अधिक छात्र है। साथ ही अभिनव शैक्षणिक विचार और बोर्ड द्वारा नवीनतम शैक्षिक पहल का समावेश किया गया है। विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के अध्यक्ष डी. मुरली कृष्ण ने बताया कि दोनों स्कूलों में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, लॉन टेनिस, स्विमिंग पूल और अन्य इनडोर खेलों सहित कई खेल और खेल गतिविधियों की पेशकश करने वाली अंतर्राष्ट्रीय मानकों की खेल सुविधाएं होंगी। इस दौरान कार्यकारी निदेशक जवाहर सुरीसेट्टी, निदेशक डी. विवेक कुमार उपस्थित रहे।

इन मेडिटेशन तकनीक से दिमाग को करें शांत

बदलते लाइफस्टाइल और बिजी शेड्यूल के कारण लोगों में स्ट्रेस का लेवल काफी बढ़ गया है। जिसका सीधा असर उनके मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। काम में और अपने आस-पास के नेगेटिव एनर्जी के कारण हम इतना तनाव महसूस करने लगते हैं कि छोटी-छोटी बातों से गुस्सा आने लगता है। इस मेडिटेशन को करने से आपके तनाव और चिंता में कमी आती है, नींद में सुधार होने के साथ अन्य भी कई फायदे होते हैं।

फोकस मेडिटेशन

फोकस मेडिटेशन आपको नेचुरल तरीके से फोकस के साथ अपना अटेंशन बढ़ाने में भी मदद मिलती है। फोकस मेडिटेशन में आपको अपने पांचो इंद्रियों पर ध्यान लगाने की जरूरत होती है। इसके साथ ही किसी चीज की मदद से आपको अपने माइंड और सांस पर फोकस करने की जरूरत होती है। फोकस मेडिटेशन करने से आप आप पूरे दिन अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। इतना ही नहीं ये आपके मूड को बूस्ट करने में भी फायदेमंद है। मेडिटेशन आपके मूड को कंट्रोल करने के साथ आपके अंदर गुड हार्मोन को बढ़ाने में मदद मिलती है।

माइंडफुलनेस मेडिटेशन माइंडफुलनेस मेडिटेशन उन लोगों के लिए एक अच्छा ऑप्शन है जो किसी से सीखें बिना खुद ही अपने दिमाग को शांत करने के लिए मेडिटेशन करने हैं। माइंडफुलनेस मेडिटेशन से आपको बस अपने मन के विचारों पर ध्यान देने की जरूरत होती है। माइंडफुलनेस मेडिटेशन से आपको अपने दिमाग को शांत करने में मदद मिलती है। गुस्से पर कंट्रोल रहता है। व्यक्ति के निर्णय लेने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है। आप तनाव से दूर रहते हुए खुश रहते हैं।

स्पिरिचुअल मेडिटेशन स्पिरिचुअल मेडिटेशन को आप अपने घर में या अपनी पसंद के किसी भी स्पिरिचुअल स्थान पर कर सकते हैं। इस मेडिटेशन का मोटिव स्पिरिचुअल पॉवर के साथ गहरा संबंध बनाना है। यह एक आसान मेडिटेशन तकनीक है, लेकिन इसके कई फायदे हैं। स्पिरिचुअल मेडिटेशन से आपको मानसिक रूप से शांत होने में मदद मिलती है। इस मेडिटेशन से शारीरिक तनाव भी दूर होती है। ●

इस तरह पुरुष भी पा सकते हैं हेल्दी चमकदार त्वचा

महिलाएं हों या पुरुष, सुंदर और निखरी त्वचा कौन नहीं पाना चाहता? कई लोग कॉस्मेटिक के साथ अपनी खूबसूरती को बढ़ाने का सहारा लेते हैं, लेकिन आपकी त्वचा तभी स्वस्थ और चमकदार होगी जब आप इसे आवश्यक पोषक तत्व व देखभाल प्रदान करेंगे। ब्यूटी एक ऐसा शब्द है जो आमतौर पर एक महिला का वर्णन करने के लिए प्रयोग किया जाता है या अक्सर लड़कियों और महिलाओं के बीच बातचीत का विषय होता है। हालांकि, यह जानना जरूरी है कि पुरुषों को भी पता होना चाहिए कि युवा और सुंदर दिखने के लिए अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें। आज हम आपको बताएंगे ऐसे फूड के बारे में जानकारी देंगे जो आपको त्वचा को नेचुरल तरीके से हेल्दी और चमकदार बनाएंगे।

मखाने

सफेद मखाने त्वचा को फायदेमंद बनाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। यह आपके त्वचा के रंग को निखारते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तियां अपने विटामिन सी की भरपूर मात्रा के कारण आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इससे आपके चेहरे का रंग सुंदर बनता है और त्वचा की संरचना को सुधारती हैं।

बादाम

भीगे हुए या सूखे बादाम का सेवन आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हुए और उन्हें अधिक जवां दिखने के साथ-साथ चमकदार बनाते हैं। इसमें फैटी एसिड होता है जो शरीर से हानिकारक टॉक्सिन से छुटकारा दिलाता है, जिसके परिणामस्वरूप चमकदार दिखने वाली त्वचा मिलती है। ●

तरबूज के बीज

तरबूज के बीज आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं। ये अपने विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स के कारण त्वचा को फायदेमंद बनाते हैं. इससे आपकी त्वचा को नमी मिलती है और उसे नरम बनाए रखते हैं।

मूली

मूली अपने विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स के कारण आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह आपके चेहरे को निखारती है और त्वचा को हेल्दी बनाने में मदद करती है।

मोटापा और श्वसन संबंधी समस्याएं एक समाधान के रूप में बेरिएट्रिक सर्जरी

हाल के अध्ययनों के अनुसार, मोटापा सांस की समस्याओं जैसे स्लीप एपनिया, अस्थमा और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD) के बढ़ते जोखिम से जुड़ा है। जैसे-जैसे मोटापे की दर बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे सांस की समस्याओं का प्रसार भी होता है। गंभीर मामलों में, इन स्थितियों का प्रबंधन करने के लिए बेरियाट्रिक सर्जरी आवश्यक हो सकती है। प्रमुख बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. आरुष सभरवाल बताते हैं कि मोटापे से संबंधित श्वसन समस्याओं के लिए बेरियाट्रिक सर्जरी एक प्रभावी उपचार विकल्प हो सकता है। डॉ. सभरवाल कहते हैं, बेरिएट्रिक सर्जरी से मरीजों का वजन कम करने और उनके संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। अतिरिक्त वजन की मात्रा को कम करके, रोगी अपने श्वसन समारोह में महत्वपूर्ण सुधार का अनुभव कर सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट कनक अग्रवाल बेरिएट्रिक सर्जरी से पहले और बाद में पोषण और जीवनशैली में बदलाव के महत्व पर जोर देती हैं। अग्रवाल कहते हैं, बेरिएट्रिक सर्जरी कोई जादुई समाधान नहीं है। दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने के लिए रोगियों को स्वस्थ जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है। जबकि बेरियाट्रिक सर्जरी मोटापे से संबंधित श्वसन समस्याओं के लिए एक प्रभावी उपचार विकल्प हो सकती है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक आकार-फिट-सभी समाधान नहीं है। यह निर्धारित करने के लिए कि क्या वे सर्जरी के लिए एक अच्छे उम्मीदवार हैं, प्रत्येक रोगी का व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर, जैसा कि मोटापे और सांस की समस्याओं के बीच संबंध स्थापित होना जारी है, मोटापे से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए पेशेवर मदद लेना और सभी उपलब्ध उपचार विकल्पों का पता लगाना आवश्यक है। डॉ. सभरवाल जैसे स्वास्थ्य पेशेवरों के उचित मार्गदर्शन से, रोगी अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण रख सकते हैं और अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। अधिक जानने के लिए आप हमें info@scodclinic.com पर अपने प्रश्न लिख सकते हैं; नियुक्तियों या पोषण संबंधी चिंताओं के लिए हमें +91-8130130489 पर कॉल करें; अधिक जानकारी के लिए हमारे यूट्यूब चैनल पर जाएं:

डॉ. आरुष सभरवाल

●डॉ. आरुष सभरवाल।

इन बीमारियों को दूर भगाने में मदद करता है अश्वगंधा

जब भी सेहत को मेंटेन रखने की बात होती है तो हम अक्सर सुनते हैं कि आयुर्वेदिक नुस्खा सबसे बेस्ट हैं. प्रकृति ने हमें ऐसी कई जड़ी-बूटियां दी हैं जिनकी मदद से हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकते हैं, क्या आपने अश्वगंधा का नाम सुना है? इसे औषधि से कम नहीं समझा जाता, इसकी मदद से हम कई शारीरिक और मानसिक परेशानियों को दूर किया जा सकता है।

अश्वगंधा के फायदे

स्ट्रेस भगाने में मददगार

अश्वगंधा आपके स्वास्थ्य को कई तरह से लाभ पहुंचाता है, लेकिन यह एक स्ट्रेस बस्टर के रूप में जाना जाता है। चूंकि तनाव और चिंता भारतीय आबादी के एक चौथाई से अधिक को प्रभावित करते हैं।

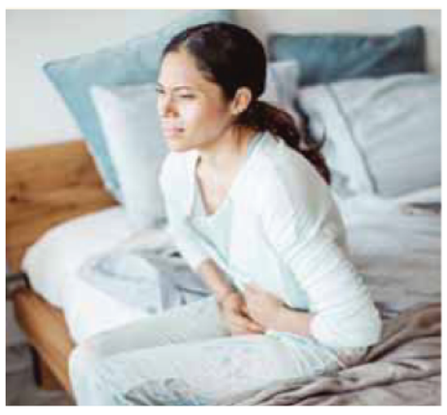

इन कारणों से भी हो सकता है पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द

अक्सर आपने देखा होगा कुछ लोगों को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस होता है। इस दर्द के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। ऐसे में लोगों को इनके बारे में पता होना जरूरी है। आज हम आपको बताएंगे कि पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द किस कारण से होता है।

बता दें जब किसी व्यक्ति को अपच की समस्या हो जाती है तो उसके कारण से पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है। व्यक्ति को इस कारण जलन भी महसूस हो सकती है।

-जब व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस होता है तो इसके पीछे गोल ब्लैडर में पथरी भी एक कारण हो सकती है। यह पथरी दाहिने कंधे में दर्द, उल्टी या मतली, ब्रेस्टबोन के नीचे अचानक तेज दर्द आदि लक्षणों के साथ हो सकती है।

जब व्यक्ति की नाभि खिसक जाती है तो इसके कारण व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है। ये दर्द धीरे-धीरे घूमता रहता है। इसके कई कारण हो सकते हैं।

जब किसी व्यक्ति को लिवर से जुड़ी बीमारियों की

समस्या हो जाती है। तभी व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है। यह लक्षण इस बात का भी हो सकता है कि लीवर में फोड़ा हो गया है, जिससे लिवर डैमेज होने लगती है। ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है।

जब व्यक्ति को पेप्टिक अल्सर की समस्या हो जाती है यानी एक ऐसा घाव जो पेट की परत के अंदर या आपकी छोटी आंत के ऊपर हिस्से में होता है तब भी व्यक्ति को पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस हो सकता है। ●

इस वर्कआउट से आप भी पा सकते हैं अट्रेक्टिव बॉडी टोन्ड और आर्म्स

टोंड आर्म वर्कआउट में आमतौर पर ऐसी एक्सरसाइज शामिल है जो बाइसेप्स, ट्राइसेप्स और फोरआर्म्स को एक साथ टारगेट किया जाता है। कई स्टडी से यही भी पता चला है कि अगर आप वास्तव में ऐसे आर्म चाहते हैं जो पोप हों तो आपको उन्हें हिट करने के लिए अलग-अलग एंगल पर काम करने की जरूरत होती है। मजबूत आर्म न केवल दिखने में एक्ट्रेक्टिव लगते हैं, बल्कि ये कुछ फंशनल कारणों से भी जरूरी है। जब आप अपने आर्म्स पर काम करते हैं तो आप न केवल अपने बाइसेप्स, ट्राइसेप्स और फोरआर्म्स पर काम करते हैं, बल्कि अपने चेस्ट, पीठ और कंधों की मांसपेशियों को भी स्ट्रॉन्ग करते हैं। ऐसे में अपनी पूरी बॉडी को संतुलित रखने के लिए अपने आर्म्स पर अच्छे से काम कर सकते हैं।पुरुषों को एक्ट्रेक्टिव दिखने के लिए अपने आर्म के साथ पूरी बॉडी को टोन करना जरूरी होता है।

पुरुषों के लिए बेस्ट टोंड आर्म वर्कआउट

स्कल क्रशर वर्कआउट स्कल क्रशर सबसे ज्यादा प्रोडक्टिव टोन्ड आर्म्स वर्कआउट हैं जो ट्राइसेप्स पर काम करते हैं और उन्हें टोन करते हैं। इस एक्सरसाइज को करते समय अपने फॉर्म पर ध्यान देना बहुत जरूरी है, क्योंकि खराब फॉर्म से चोट लग सकती है और यह आपके स्कल के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

ये है करने का सही तरीका -स्कल क्रशर करने के लिए दोनों हाथों से डंबल या बारबेल पकड़कर एक्सरसाइज बेंच पर लेट जाएं।

-अब लाइटवेट से शुरुआत करें ताकि आप अच्छी फॉर्म बनाए रखने में कामयाब रहें।

-इसके बाद अब अपने एब्स को एंगेज करें और अपने कंधों को एक साथ खींचें।

-इसके बाद अपनी शुरुआती स्थिति में वापस लौटें और इस एक्सरसाइज को दोहराएं।

-इस वर्कआउट के पांच से आठ रेप्स के तीन सेटों दोहराएं।

केबल-रोप

ट्राइसेप्स एक्सटेंशन यह पुरुषों के लिए सबसे प्रभावी टोंड आर्म्स वर्कआउट में से एक है जो आपके ट्राइसेप्स को बढ़ाने में मदद करता है। आप इस वर्कआउट को रोप केबल अटैचमेंट या प्रतिरोध बैंड की मदद से कर पाएंगे। इस वर्कआउठ को करने के लिए केबल मशीन के ऊपर रस्सी को बांध कर कम से कम दो फीट पीछे खड़े हो जाएं।

-इसके बाद अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई की दूरी पर रखते हुए सीधे खड़े हो जाएं और अपने दोनों हाथों में रोप का एक-एक हिस्सा पकड़ लें।

-अब अपनी बाहों को जितना हो सके नीचे की ओर फैलाएं जब तक वे पूरी तरह से सीधी न हो जाएं। लेकिन इस दौरान ध्यान दें कि आपकी कोहनी आपके बगल में टिकी हुई हो और आपका ऊपरी शरीर पूरी तरह इस एक्सरसाइज में लगा हुआ हो। इसके बाद अपने आर्म्स को उनकी पहले वाली स्थिति में वापस ले आए और इस आउट को दोबारा दोहराएं। ●

डायबिटीज और ब्लड शुगर के लिए रामबाण इलाज है यह हर्ब्स, जानिए इसके फायदे

डायबिटीज काफी जटिल स्थिति है। इसमें ब्लड प्रेशर, किडनी, आंख और हार्ट आदि से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन यानि की WHO के आंकड़ों के अनुसार, पूरे विश्व में करीब करीब 42.2 करोड़ लोग डायबिटीज से परेशान हैं। इसके अलावा हर साल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से करीब 15 लाख लोगों की मौत डायबिटीज की वजह से होती है। वहीं अगर भारत की बात करें तो यहां की स्थिति काफी खराब है। वर्तमान में लगभग 8 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। वहीं अनुमान के मुताबिक साल 2045 तक 13 करोड़ से अधिक लोग भारत में डायबिटीज से पीड़ित होंगे। इसी के कारण भारत को कैपिटल ऑफ डॉयबिटीज भी कहा जाने लगा है।

गलत खान-पान है कारण- बता दें कि गलत खान-पान के कारण लोगों को डायबिटीज की बीमारी होती है। यदि समय रहते अपने खानपान और लाइफस्टाइल में सुधार कर लिया जाए तो इसको जड़ से समाप्त किया जा सकता है। वहीं बल्ड शुगर को मुलेठी से भी काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसको साइंस में भी साबित किया जा चुका है। आयुर्वेद में मुलेठी के कई औषधीय गुणों का बखान किया गया है। यह एक झाड़ीनुमा पौधा होता है। भारत के कई हिस्सों में मुलेठी के पौधे के तने की छाल को सुखाकर कई बीमारियों में इसका इस्तेमाल इलाज के लिए किया जाता है। इसके अलावा गले की खराश को दूर करने के लिए मुलेठी का इस्तेमाल पान के साथ किया जाता है। मुलेठी खाने में काफी मीठी होती है। इसका इस्तेमाल स्वीटनर के तौर पपर भी किया जा सकता है। डायबिटीज के मरीजों को मुलेठी की चाय पीने की सलाह दी जाती है।

बल्ड शुगर करता कम- अमेरिकन डायबेट्स एसोसिएशन के मुताबिक मुलेठी में एमोरफ्रूटिंस नामक कंपाउंड पाया जाता है। यह एंटी-डायबेटिक गुणों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें एमोरफ्रूटिंस एंटी-इंफ्लामेटरी भी मौजूद होता है। मुलेठी डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद करता है। एक अध्ययन में बताया गया है कि मुलेठी में कई तरह का एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स मेटोबोलिक सिंड्रोम के इलाज के लिए अहम भूमिका निभाता है। अगर कम मात्रा में मुलेठी का सेवन किया जाए तो यह मीठा खाने की इच्छा को कम करता है।

पेट का अल्सर- न्यूट्रिशनिस्ट भुवन रस्तोगी के अनुसार, औषधीय गुणों से भरपूर मुलेठी की तासीर ठंडी होती है। यह आंत की हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मुलेठी के सेवन से पेट के अल्सर और सांस संबंधी समस्याओं और बैक्टीरियल इंफेक्शन को दूर करने में कारगर होती है।

अपने दांतों को स्वस्थ रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

यदि आप सही से अपने मुंह के स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखते हैं तो इससे दांतों में कैविटी या फिर इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है और इसकी वजह से आपकी रोजाना की जिंदगी और जिंदगी की क्वालिटी दोनों पर ही नकारात्मक प्रभाव होता है। ऐसे में अपनी ओरल हेल्थ का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है और इसके लिए अपने लाइफस्टाइल को हेल्दी रखना भी जरूरी है। हमारे शरीर का मैकेनिज्म हमें हमारे स्वास्थ्य और शरीर के हिस्सों के बारे में जानकारी देता है। उदाहरण के लिए यदि ब्रश और फ्लॉस के बाद आपके मसूड़ों से खून नहीं आ रहा है और आपकी सांसे सही हैं और आपको गर्म या ठंडी चीजों को लेकर सेंस्टिविटी नहीं हो रही है तो इसका मतलब है कि आपका ओरल हाइजीन अच्छा है।

ये हैं आसान टिप्स

-आपको हर 6 से 8 महीने में डेंटल चेकअप के लिए जाना चाहिए।

-हेल्दी डाइट बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अधिक मात्रा में चीनी वाली चीजों या फिर ड्रिंक का सेवन नहीं करें। आपको दिन में कम से कम दो बार अपने दांतों को ब्रश करना चाहिए और फ्लॉस करना चाहिए। साथ ही अपनी जीभ को साफ करना भी न भूलें।

-ऐसे ब्रश का इस्तेमाल करें जिनकी ब्रिसल सॉफ्ट हो और फ्लोराइड आधारित टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें ताकि आपके दांत साफ और कैविटी फ्री रहें। साथ ही अपने ब्रश को हर 3 से 4 महीने में बदलते रहें।

-ध्यान रखें कि जरूरत से अधिक मात्रा में टूथपेस्ट लगाने से आपका मुंह ज्यादा बेहतर साफ नहीं होगा और इस वजह से हमेशा केवल थोड़ी सी ही टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। -हर बार खाना खाने के बाद आपको अपने मुंह को साफ करना चाहिए और कुल्ला करना चाहिए।

ईटिंग डिसऑर्डर

अगर आपका वजन बहुत तेजी से घट रहा हो और आपकी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क्स आ गए हों, तो हो सकता है कि ये सब एनोरेक्सिया की वजह से हो रहा हो। इस बीमारी में व्यक्ति अपनी सेहत का ध्यान नहीं रखता, हमेशा अपने पास वजन घटाने वाले डाइट पिल्स रखता है, खुद को भूखा रखता है और दुबला होने के बावजूद अपनी बॉडी शेप को छुपाने के लिए ढीले कपड़े पहनने लगता है। क्या आपके सिर में हमेशा दर्द रहता है?

कुछ बीमारियों के लक्षण छुपे-से होते हैं। उन्हें समय रहते पहचानने और बीमारी को जड़ से उखाड़ने की जरूरत होती है। ईटिंग डिसऑर्डर ऐसी ही एक बीमारी हैं। क्या हैं इस बीमारी के लक्षण, बता रही हैं करुणा कृति बीस साल की नेहा पिछले कुछ महीनों से बीमार रहने लगी थी। कुछ बीमारियों के लक्षण छुपे-से होते हैं। उन्हें समय रहते पहचानने और बीमारी को जड़ से उखाड़ने की जरूरत होती है। ईटिंग डिसऑर्डर ऐसी ही एक बीमारी हैं। क्या हैं इस बीमारी के लक्षण, बता रही हैं करुणा कृति बीस साल की नेहा पिछले कुछ महीनों से बीमार रहने लगी थी। वह अचानक से दुबली हो गई थी, वह खाना खाने से बचने के लिए बहाने बनाने लगी थी, उसके दांत पीले पड़ने लगे थे, गर्मी में भी उसे ठंड लगती थी और उसे कब्ज और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत रहने लगी थी। नेहा की इस समस्या से परेशान उसकी मां जब उसे डॉक्टर पास ले गई तो डॉक्टर ने उन्हें बताया कि वह ईटिंग डिसऑर्डर से पीडित है। ईटिंग डिसऑर्डर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति की खाने-पीने की आदतें असामान्य-सी हो जाती हैं (जैसे कि बहुत कम या ज्यादा खाना खाने लगना) और इसकी वजह से उसे शारीरिक और मानसिक क्षति पहुंचती है। ईटिंग डिसऑर्डर किसी भी उम्र की महिला या पुरुष को हो सकता है। पर, शोध बताते हैं कि यह बीमारी महिलाओं में, खासकर टीनएजर्स में आम है। लोगों में अक्सर एनोरेक्सिया नाम का ईटिंग डिसऑर्डर पाया जाता है। इससे पीडित व्यक्ति हमेशा तनाव से घिरा रहता है। वह कम से कम मात्रा में भोजन करता है। उसे लगता है कि वह थोड़ा भी खाएगा, तो मोटा हो जाएगा। लोग अच्छा फिगर पाने की चाहत में ही नहीं, बल्कि कई बार तनाव में आकर भी ऐसा करते हैं। बुलीमिया भी ऐसा ही एक ईटिंग डिसऑर्डर है। इसमें पीडित व्यक्ति थोड़े समय में बहुत ज्यादा खा लेता है और बाद में जान-बूझकर उल्टी करके सारा खाना निकाल देता है।

आइए जानें, ईटिंग डिसऑर्डर के पांच प्रमुख लक्षणः क्या आप अचानक से दुबली होने लगी हैं?

अगर आपका वजन बहुत तेजी से घट रहा हो और आपकी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क्स आ गए हों, तो हो सकता है कि ये सब एनोरेक्सिया की वजह से हो रहा हो।

इस बीमारी में व्यक्ति अपनी सेहत का ध्यान नहीं रखता, हमेशा अपने पास वजन घटाने वाले डाइट पिल्स रखता है, खुद को भूखा रखता है और दुबला होने के बावजूद अपनी बॉडी शेप को छुपाने के लिए ढीले कपड़े पहनने लगता है। क्या आपके सिर में हमेशा दर्द रहता है? अगर आप बहुत कम या ज्यादा सो रही हैं या आपको हमेशा सिर दर्द रहता है, तो समझ लीजिए कि कैल्शियम की कमी से ऐसा हो रहा है। खून में घुला कैल्शियम हमारे नर्वस सिस्टम के माध्यम से हमारी मांसपेशियों को गतिशील और कोशिकाओं को सक्रिय बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। आजकल ज्यादातर टीनएज लड़कियां छरहरी काया की चाहत में दूध और उससे बनी चीजों का सेवन नहीं करतीं। इस वजह से उनके शरीर में स्थाई रूप से कैल्शियम की कमी हो जाती है और भविष्य में उसकी भरपाई बहुत मुश्किल होती है। कई बार तो खाने-पीने में की गई लापरवाही उन्हें कुपोषण का शिकार बना देती है, जो उनके नर्वस सिस्टम के हार्मोन्स में असंतुलन पैदा कर देता है। वे या तो बहुत सोने लगती हैं या फिर अनिद्रा का शिकार हो जाती हैं। क्या हल्की चोट से भी आपको फ्रैक्चर हो जाता है? खाने में की गई ना-नुकुर से पर्याप्त मात्रा में हमें कैलोरी नहीं मिल पाती, हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता घट जाती है। इस वजह से शरीर छोटे-मोटे संक्रमण से भी खुद को बचा नहीं पाता। हमारी हड्डी और मांसपेशियां इतनी कमजोर होती जाती हैं कि हमें हमेशा चोट लगती रहती है और हल्की चोट पर भी फ्रैक्चर होने की हमेशा आशंका बनी रहती है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में विटामिन, मिनरल और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। क्या आपका चेहरा और नाखून पीले पड़ गए हैं? शरीर में फोलिक एसिड, आयरन और विटामिन-बी12 की कमी से एनीमिया होता है। एनीमिया की वजह से हमारी त्वचा और नाखून का रंग पीला पड़ जाता है, लगातार कमजोरी और थकावट महसूस होने लगती है, बाल झड़ने लगते हैं, आंखें पीली हो जाती हैं, सांस फूलने लगती है, मासिक धर्म में कमी आती है और बार-बार चक्कर आता है। डॉक्टर बताते हैं कि शुरुआत में एनीमिया का पता ही नहीं चलता, लेकिन बाद में यह गंभीर रूप ले लेता है। दोस्तों के साथ खाना खाने से बचती हैं एनोरेक्सिया और बुलीमिया से पीडित व्यक्ति अक्सर दूसरों के साथ खाना खाने से कतराते हैं। उन्हें लगता है कि वो थोड़ा भी खा लेंगे तो वे बहुत मोटे हो जाएंगे। वे भूखे नहीं है या घर पर बहुत सारा खा लिया है, ऐसा कहकर उनके साथ खाना खाने से बचने की कोशिश करते हैं।

स्नैक्स, जो दें आपको पोषण भीं

पॉपकॉर्न- पॉपकॉर्न में न्यूट्रिशंस अधिक और कैलोरी कम होती है। डाइटीशियन सरला माथुर मानती हैं कि स्नैकिंग में पॉपकॉर्न बढ़िया हैं। आपको बता दें कि पॉपुलर सिंगर मैडोना बेबी बर्थ के बाद वेट लॉस के लिए लंबे टाइम तक पॉपकॉर्न डाइट पर ही रहीं। लेकिन बेहतर होगा कि आप पॉपकॉर्न घर पर तैयार करके ही खाएं। दरअसल, बाजार में मिलने वाले पॉपकॉर्न में फैट ज्यादा होता है। टेस्टी बनाने के लिए इनमें फैट बढ़ाने वाली कई चीजें मिला दी जाती हैं, इसलिए इस आप्शन से बचें। मार्केट में आज 98 प्रतिशत फैट फ्री पॉपकॉर्न भी उपलब्ध हैं या फिर मक्की के पैकेट खरीदे और हल्के बटर में घर पर ही तैयार कर लें।

फ्रूट और फ्रूट स्मूदीज- यह हेल्दी स्नैक्स चॉइस है। फ्रूट स्मूदीज बना लें। इसे बनाते समय यह फुल क्रीम दूध की बजाय टोंड या स्किमड मिल्क यूज करें। इसमें खूब सीजनल फ्रूट्स डालें और न्युट्रिशनल स्मूदी एंजॉय करें।

कुकीज- कुकीज रेगुलर स्नैक्स नहीं बन सकतीं, क्योंकि बिना फैट वाली कुकीज बिल्कुल टेस्टी नहीं होतीं। कुकीज और बिस्कुट ऐसी चीजें हैं, जो आपको कभी-कभी एंजॉय करने चाहिए, लेकिन इन्हें अपने रोज की स्नैक्स का हिस्सा न बनाएं। तब भी अगर आप इन्हें खाना चाहते हैं, तो आप प्लेन शुगर फ्री बिस्कुट ले सकते हैं, क्योंकि इनमें फाइबर की मात्रा अधिक है।

सीरल्स लें- ऐसे सीरल्स खाएं, जिनमें फाइबर की मात्रा ज्यादा हो और कम शुगर हो। उदाहरण के लिए दलिया। यह एक अच्छा ब्रेकफास्ट आप्शन है।

दही या फ्रोजन कर्ड- अगर आप दूध नहीं पीते, तो शरीर में कैल्शियम की कमी हो सकती है। इसलिए दही ट्राई कर सकते हैं। दही को घर पर ही जमाएं और इसके लिए स्किमड या टोंड दूध का इस्तेमाल करें।

डेजर्ट्स- आपको टॉफी या चॉकलेट या फिर दूसरी स्वीट्स खाने का बहुत मन करता है, लेकिन आप खुद पर कंट्रोल रखने की कोशिश करते हैं, तो आपके लिए ज्यादा प्रॉब्लम हो सकती है। दरअसल, जिस दिन आप खुद को कंट्रोल नहीं कर पाएंगे, उस दिन इनको काफी अमाउंट में लेंगे। बेहतर होगा कि आप आप हर दिन थोड़ी स्वीट्स या फिर एक छोटी चॉकलेट और एक-दो टॉफीज खाते रहें। इस तरह बैलेंस बना रहेगा और कभी-कभी इनको लेने की तरह आप आउट आफ कंट्रोल नहीं होंगे।

फ्रोजन फ्रूट बार्स- यह एक अच्छा स्नैक्स है। इसमें आपको 100 प्रतिशत फूट जूस मिलेंगे। इसको अपनी आइस ट्रे में डालें और फ्रीज कर दें। तब आप इसे खाएं, तो आपको मजा आ जाएगा।

सब्जियां- आप सब्जियों को ज्यादा टेस्टी बना सकते हैं, अगर आप उसे दही के साथ मिलाकर खाएं। खीरा, मूली, चूकंदर और मटर अधिक खाएं। दरअसल, इनमें फैट कम होता है और कैलरीज अधिक होता है।

केक- ज्यादातर लोगों को केक बहुत भाता है। लेकिन इसे रोज नहीं खाया जा सकता, क्योंकि इसमें फैट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। हर दिन खाए जाने वाला स्नैक्स वही होता है, जो हेल्दी हो। ●●●

शहद का अत्यधिक सेवन पहुंचा सकता है आपको नुकसान

शहद से प्राप्त होने वाले फायदे किसी से छिपे नहीं हैं। प्राकृतिक गुणों से भरपूर शहद बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। वैसे तो आप शहद को यूं ही खाएं या फिर गर्म पानी में डालकर, यह हर रूप में लाभकारी ही होता है। लेकिन फिर भी इसका अत्यधिक सेवन व गलत तरीके से सेवन करने पर इसे अमृत से विष बनने में देर नहीं लगती। इतना ही नहीं, इसके कारण आपको बहुत सी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसी ही कुछ परेशानियों के बारे में-

सही तरह से सेवन : शहद का सेवन करते समय आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि आप शहद का किस प्रकार सेवन करते हैं। उदाहरण के तौर पर लोग वजन कम करने के लिए शहद का सेवन गर्म पानी के साथ करते हैं, लेकिन आवश्यकता से अधिक गर्म पानी का सेवन करने से आपको शरीर में गर्मी या पेट संबंधी परेशानियां होने का खतरा बना रहता है। ठीक इसी तरह शहद को कभी भी गर्म दूध, चाय, कॉफी, मूली, नानवेज आदि के साथ नहीं लेना चाहिए।

पेट हो जाता है खराब : स्वस्थ रहने के लिए भले ही आप शहद का सेवन करते हों लेकिन आवश्यकता से अधिक इसका सेवन करने से आपको पेट संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। दरअसल, शहद में फ्रुक्टोज पाया जाता है, जिसे हर व्यक्ति के लिए पचा पाना मुश्किल होता है। जब इसकी अधिकता होती है तो इससे पेट खराब होने, पेट में दर्द, पेट में फूलने और डायरिया होने की संभावना बन जाती है।

रोगियों के लिए नुकसानदायक : शहद का सेवन अस्थमा रोगियों के लिए काफी नुकसानदेह होता है। इससे उन्हें श्वास में कमी, खुजली और जीभ में सूजन जैसी समस्या होती है। इतना ही नहीं, जिन लोगों को एलर्जी की परेशानी होती है, उन्हें भी शहद का सेवन करने पर फेफड़े में सूजन होने की परेशानी हो सकती है। वहीं मधुमेह रोगियों को भी शहद का सेवन डॉक्टर के परामर्श के बाद ही करना चाहिए क्योंकि यह रक्त में शर्करा के स्तर में वृद्धि करता है। इसके अतिरिक्त रक्तस्त्राव से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी शहद बेहद हानिकारक होता है।

छोटी आंत होती है प्रभावित : शहद की अधिकता आपकी छोटी आंत को प्रभावित करती है। जब आपकी छोटी आंत प्रभावित होती है तो इससे शरीर को पोषक तत्वों को अवशोषित करने में काफी दिक्कत आती है। अंततः इससे कई तरह की परेशानियां पैदा होती हैं।

दुबई का 'मिरेकल गार्डन' जैसे रेगिस्तान में नंदन-कानन

दुबई की यह मेरी पांचवीं यात्रा है। जब भी यहां आया हूं कोई-न-कोई नयी बात या नयी चीज़ सुनने-देखने को मिली है। पिछली बार जब आया था तो 'बुर्ज खलीफा' चर्चा में था। 160 मंजिलों वाली तथा लगभग 828 मीटर ऊंची इस आकाश-छूती इमारत को देखकर सचमुच आश्चर्य हुआ था। उससे पहले दुबई स्थित उस होटल 'बुर्ज-अल-अरब' को देखा था, जिसके बारे में सुना था कि वह विश्व का सब से बड़ा सात-सितारा होटल है। प्रतिमान पर प्रतिमान स्थापित करना इस शान-शौकत और चमक-दमक वाले दुबई शहर की 'ललक' का एक तरह से पर्याय बन गया है। विश्व का सब से बड़ा मॉल 'दुबई मॉल' भी यहीं पर है।

स्वचालित (बिना ड्राइवर के) मेट्रो भी यहां है। और भी बहुत कुछ है यहां देखने के लिए। इस बार उस पुष्प-उद्यान को देखने का मौका मिला जिसके बारे में अपने देश में सुन रखा था। यह पुष्प उद्यान यानी मिरेकल गार्डन विश्व-प्रसिद्ध है। लगता है जैसे समूचा नंदन-कानन सहरा में उतर कर आया हो। दुबई मिरेकल गार्डन का क्षेत्रफल लगभग सत्तर हज़ार वर्गमीटर है। विश्व का यह ऐसा पहला उपवन है जिसमें 60 रंगों के 4.5 करोड़ फूल हैं। इनमें से अनेक ऐसे हैं जिन्हें फारस की खाड़ी के इलाके में पहली बार लाया गया है। यह संसार का पहला ऐसा बाग़ है जो फूलों से बनी तीन मीटर ऊंची दीवार से घिरा हुआ है और इसमें एक दस मीटर ऊंचा पुष्प-पिरामिड भी है। फूलों के गुच्छों, झुरमुटों और कियारियों को बड़े ही कलापूर्ण ढंग से तराशा/संवारा गया है। जहां तक भी नजर जाती है महकते फूलों का समुद्र ठाठें मारता दृष्टिगोचर होता है। रेगिस्तान में ऐसा दृश्य विरल ही नहीं, अकल्पनीय भी है। इस दिलकश गुलिस्तान के निर्माताओं का कहना है कि वे संसार को दिखाना चाहते थे कि सहरा को भी कैसे प्रदूषित जल का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग कर उसे हराभरा किया जा सकता है। दुनिया को वे यह भी बताना चाहते थे कि दुबई मात्र ऊंची-ऊंची अट्टालिकाओं (लोहा-सीमेंट-रेत) और मालों/होटलों का ही शहर नही है। अपितु प्रकृति-प्रेमी नगर भी है। एक बात और। दुबई की भावी योजनाओं में एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना है फाल्कन सिटी ऑफ़ वंडर्स। इस परियोजना के तहत दुनिया भर से वास्तुकला के कई श्रेष्ठ नमूनों की प्रतिकृतियां बनाई जाएंगी जिनमें पिरामिड, हैंगिंग गार्डन, एफिल टावर, ताज महल, चीन की महान दीवार और पिसा की झूलती मीनार शामिल हैं। परियोजना दुबई के प्रतिमानों की श्रृंखला में एक और नई कहानी लिखेगी, ऐसा इसके प्रबंधकों का मानना है।

दुबई के प्रशासकों (शेखों) को यह समझ में आने लगा है कि उनके तेल के जखीरे अब ज्यादा दिनों तक चलने वाले नहीं हैं और एक-न-एक दिन उनके ये तेल के कुंए तेल देना बंद कर देंगे। दरअसल, 1930 में उन्हें तेल की अकूत संपदा हाथ लगी थी, उससे पहले यहां के लोग मछली-पालन या समुद्र से मोती निकालने का काम करते थे, लगभग अस्सी वर्षों से सहरा इन्हें तेल से मालामाल कर रहा है। बुर्ज, होटल, चौड़ी सड़कें, चमक-दमक, वैभव, ठाठ-बाठ आदि सब तेल की वजह से है। मगर तेल निकलेगा भी तो कब तक इसलिए विकल्प के तौर पर, समय रहते, यहां के शासक 'पर्यटन' उद्योग को बढ़ावा देने में जुटे हुए हैं। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में भी बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं ये लोग ला रहे हैं। ●●●

विश्व का यह ऐसा पहला उपवन है जिसमें 60 रंगों के 4.5 करोड़ फूल हैं। इनमें से अनेक ऐसे हैं जिन्हें फारस की खाड़ी के इलाके में पहली बार लाया गया है। यह संसार का पहला ऐसा बाग़ है जो फूलों से बनी तीन मीटर ऊंची दीवार से घिरा हुआ है और इसमें एक दस मीटर ऊंचा पुष्प-पिरामिड भी है। फूलों के गुच्छों, झुरमुटों और कियारियों को बड़े ही कलापूर्ण ढंग से तराशा/संवारा गया है। जहाँ तक भी नजर जाती है महकते फूलों का समुद्र ठाठें मारता दृष्टिगोचर होता है।

108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के दूसरे दिन हुआ सामूहिक जप एवं ध्यान प्रज्ञा योग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर । 108 कुंडीय नवचेतना जागरण गायत्री महायज्ञ के दूसरे दिन प्रातः 6 बजे से सामूहिक जप एवं ध्यान प्रज्ञा योग से प्रारंभ हुआ। नगर वासियों ने यज्ञ पंडाल में 1 घंटे तक प्रातः स्वास्थ्य लाभ लिऐ तत्पश्चात प्रातः 9 बजे से देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ प्रारंभ हुआ।शांतिकुंज हरिद्वार की केंद्रीय टोली ने संगीतमय ढंग से वैदिक मंत्रोचार से देव पूजन कराया। 108 कुंड पर बैठे हुए पीत वस्त्र धारी माताओं एवं धोती कुर्ता परिधान में बैठे हुए भाइयों ने पूरे आध्यात्मिक अनुशासन से यज्ञ भगवान को आहुतियां समर्पित किए। यज्ञ के इस महान कार्यक्रम को संगीतमय टोली ने लयबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं के मनो भूमि को आध्यात्मिकता से परिष्कृत करते हुए गति दिए। गायत्री यज्ञ में श्रद्धालुओं ने गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र के साथ हवन कुंड में आहुतियां समर्पित की। इस दौरान यज्ञ स्थली वैदिक मंत्रोच्चारण से गूंज उठा। यज्ञ में आहुति प्रदान करने के लिए उत्साहित श्रद्धालुओं से यज्ञ पंडाल खचाखच भरा होने से यज्ञ को तीन पारियों में कराना पड़ा।

शांतिकुंज हरिद्वार से आए हुए अंतरराष्ट्रीय विद्वान कथावाचक एवं केंद्रीय टोली नायक पंडित श्याम बिहारी दुबे ने यज्ञ की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "यज्ञ दर्शन- व्यक्तिगत जीवन में चरित्र निष्ठा और लोक व्यवहार में समाज निष्ठा के आदर्श को अपनाए जाने को प्रेरणा देता है। व्यक्ति और समाज की सर्वतोमुखी प्रगति और सुख शांति का यही एक मार्ग है। आज जब वायु प्रदूषण की समस्या विश्व संकट का रूप धारण करती जा रही है, तो परिशोधन के प्रमुख अस्त्र यज्ञ को फिर से प्रखर बनाना होगा। रोग कीटाणु को मारने की जितनी शक्ति यज्ञ ऊर्जा में है, उतनी सरल, व्यापक और आसान पद्धति अभी तक नहीं खोजी जा सकी है। टोली नायक पंडित दुबे के साथ युग संगीत गायक- हरिप्रसाद चौरसिया, तबला वादक- मनीष साहू एवं म्यूजिशियंस -प्रशांत यादव ने अपने वाद्य यंत्रों से कार्यक्रम को स्वस्थ गति प्रदान की।यज्ञ कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संस्कार -विद्यारंभ संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार, यज्ञोपवीत संस्कार, दीक्षा संस्कार, पुंसवन संस्कार निशुल्क कराए गए यज्ञ के समापन के बाद सभी श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद देकर विदाई की गई। सायं कालीन 2 बजे से मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी सुरेंद्र सिंह ने संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण विषय पर कार्यकर्ता गोष्ठी की गई। तथा सायं 5 बजे से युग संगीत प्रवचन भी संगीतमय टोली के द्वारा माताओं- बहनों को सुनाया गया। कथा श्रवण में भारी-भरकम भीड़ जुटी रहौ। इस क्रम में 20 मार्च को प्रातः यज्ञ हवन एवं विविध संस्कार निशुल्क संपन्न कराए जाएंगे। सायं 4 बजे से विराट युवा उत्कर्ष महोत्सव का आयोजन युवा चेतना को जागृत करने के लिए किया जाएगा। जिस के मुख्य अतिथि देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ चिन्मय पंड्या का 8 जनपद के युवाओं का उद्बोधन होगा। तत्पश्चात युवा उत्कर्ष दीप महायज्ञ का भी आयोजन होगा। यह जानकारी गायत्री परिवार के जिला मीडिया प्रभारी विद्यासागर उपाध्याय ने दी है।कार्यक्रम को सफल बनाने में बल्लभ दास अग्रवाल, रामकिशोर राय, लवहर सिंह यादव, क्षितिज श्रीवास्तव, मिथिलेश उपाध्याय , प्रेम तारा तिवारी ,अनिल सिंह, राहुल सिंह, कामता प्रसाद जी, संजय तिवारी, माधुरी सिंह, मनोज जायसवाल, रविंद्र शास्त्री, शिवम राय आदि रहे।

पीजी कालेज, पूर्वांचल विश्वविद्यालय परीक्षा में दो नकलची धराए

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में चल रही पूर्वांचल विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के क्रम में शनिवार को सुबह की पाली में बीएड तृतीय सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा सम्पन्न हुई जिसमें दो परीक्षार्थी नकल करते हुए पकड़े गये। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में 22 बी.एड. महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बनाया गया है। सुबह की पाली में बीएड तृतीय सेमेस्टर द्वितीय प्रश्न-पत्र की परीक्षा संपन्न हुई। जिसमें पंजीकृत 2059 परीक्षार्थियों में 2040 उपस्थित एवं 19 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। आन्तरिक उड़ाका दल द्वारा दो परीक्षार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया। विश्वविद्यालय की परीक्षाओं की सूचिता एवं पारदर्शिता को लेकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ०राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के लिए परीक्षा विभाग, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संपर्क में है। सूचिता एवं पारदर्शिता पूर्वक परीक्षा संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। परीक्षा देने के लिए महाविद्यालय परिसर के गेट से घुसते समय छात्र-छात्राओं को किसी भी तरीके के किसी अनुचित साधन का प्रयोग न करने की हिदायत दी जा रही है। नकल करते पकड़े गए विद्यार्थियों के खिलाफ विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश के क्रम में आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है। आंतरिक उड़का दल के सदस्य के रूप में चीफ प्रॉक्टर डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह, डॉ०एस. डी. सिंह परिहार, डॉ०एस.एन. सिंह, डॉ०अरूण कुमार यादव, डॉक्टर बद्रीनाथ सिंह, डॉक्टर अनुराग सिंह, डॉक्टर रामदुलारे, आर.पी.सिंह, डॉक्टर शिप्रा श्रीवास्तवा आदि उपस्थित रहे।

सनातन धर्म का खिलवाड़ विधायक रमेश सिंह के दवाब में खरमास में ही बजवा दी सरकारी शहनाई: संजय यादव सपा नेता

प्रखर जौनपुर। मार्च के बीते सप्ताह से खरमास लगने से विवाह कार्यक्रम का आयोजन होने पर सवाल उठ रहे है। चालू वित्तीय वर्ष में विधायक रमेश सिंह के दवाब में ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन कराने के दबाव में खरमास में ही शाहगंज महोत्सव करा के सामूहिक विवाह करा दिया गया।

समाजवादी पार्टी के नेता संजय यादव एडवोकेट ने शाहगंज महोत्सव पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा सनातन धर्म के मान्यता के अनुसार जिस समय लोग नए वस्त्र नही खरीदते उस समय शादी कराना किसी पाप से कम नहीं है। खरमास के माह में शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं. शादी नए भवन का निर्माण गृह प्रवेश इत्यादि शुभ कार्य करने से लोग बचते है। वही विधायक द्वारा गरीब मजलूम में परिवार को अंधकार में रख ऐसा कृत्य कराना गरीबों के साथ भद्दा मजाक उड़ाया गया है। संजय यादव ने कहा विधायक द्वारा चीनी मिल नया जिला बनाने के सभी दावे कहा गए? वित्तीय वर्ष की समाप्ति की आपाधापी में आखिर समाज कल्याण विभाग ने खरमास में बीना मुहूर्त के और विधायक रमेश सिंह ने अपनी वाहवाही लूटने के लिए रविवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना मे शादियां कराया गया इससे सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोग जानना चाहते है क्या रामराज में गरीबों की शादी खरवास में ही कराई जाती हैं क्या राम राज्य में यही होता रहा है भाजपा के लोग सिर्फ और सिर्फ अपने फायदे के लिए किसी भी निम्न स्तर तक गिर सकते हैं।

बिजली संकट से प्रदेश की जनता का जीवन अस्त-ब्यस्त : सुनील राम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में बिजली संकट को लेकर कार्यकर्ताओ और पदाधिकारियों ने सरजू पांडे पार्क में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया, जिसमें कार्यकताओं ने सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार के गलत नीतियों की वजह से विद्युत कर्मियों को हड़ताल पर जाना पड़ा है जिसके जिसके चलते बिजली आपूर्ति 3 दिनों से पूरी तरह बाधित है, जिससे प्रदेश में चल रही परीक्षा दे रहे बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही पीने के पानी की किल्लत हो चुकी है, सारे कल कारखाने छोटे-छोटे बंद है, लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। इस दौरान धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि बिजली संकट से पूरे प्रदेश की जनता का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विशेष रूप से परीक्षा दे रहे परीक्षार्थियों का बुरा हाल है। सरकार जानबूझकर ऐसे नीतियों को संचालित कर रही है जिसके फलस्वरूप विद्युत कर्मियों को हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होना पड़ा। कांग्रेस पार्टी यह मांग करती है कि यथाशीघ्र विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बिजली ब्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन करने का कष्ट करें नही तो कांग्रेस पार्टी यह लड़ाई लड़ने के लिए बाध्य होगी। पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मार्कंडेय सिंह ने कहा कि सरकार प्रदेश की जनता को परेशान करने के लिए हर तरह का हथकंडा अपनाने पर तुली हुई है क्योंकि सरकार की गलत नीतियों की वजह से बेसमय बिजली विभाग के कर्मचारियों को हड़ताल पर जाना पड़ा यह सरकार की और अदूरदर्शी नीति का प्रमाण है, जिससे प्रदेश की जनता बुरी तरह परेशान हो गई है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव डॉक्टर जनक कुशवाहा ने कहा कि विद्युत कर्मियों पर मुकदमा और बर्खास्त करना सरकार के अलोकतांत्रिक भावनाओं को दशार्ता है। सरकार में लोकतंत्र की भावना समाप्त हो चुकी है इसलिए वह इस तरह की कार्रवाई करने पर अडिग है। हमारी मांग है कि कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान कर सरकार बिजली व्यवस्था को दुरूस्त करे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय कुमार सिंह, अजय श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश सिंह मुन्ना, आशुतोष गुप्ता, हिमांशु श्रीवास्तव, मनीष राय, विभूति राम, संदीप विश्वकर्मा, रईस अहमद, ओम प्रकाश पांडे, अनुराग पांडे, राकेश राय, माधव कृष्ण, आलोक यादव, इस्लाम अहमद, संजय सिंह, सतीश गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, रतन तिवारी, सदानंद गुप्ता, अवधेश साहू, शाहिद आदि लोग उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री से सार्थक वार्ता के बाद बिजलीकर्मियों ने 72 घण्टे की सांकेतिक हड़ताल समय से पूर्व ली वापस

ऊर्जा मंत्री ने 03 दिसम्बर के समझौते व अन्य मांगों के क्रियान्वयन तथा आन्दोलन के फलस्वरूप की गयी सभी दमनात्मक कार्यवाहियों को वापस लेने हेतु ऊर्जा निगमों के चेयरमैन को निर्देश किया जारी

प्रखर वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उ.प्र. ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा से वार्ता के बाद रविवार को 72 घण्टे की सांकेतिक हड़ताल समय से पूर्व वापस लेने की घोषणा की। ऊर्जा मंत्री ने विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति,उ.प्र. के साथ विगत 03 दिसम्बर को हुए समझौते के क्रियान्वयन और अन्य मांगों के सार्थक समाधान हेतु शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही करने की घोषणा की है। साथ ही ऊर्जा मंत्री ने इस आन्दोलन के फलस्वरूप बिजलीकर्मियों के विरूद्ध की गयी समस्त दमनात्मक कार्यवाहियों निलम्बन, निष्कासन, एफआईआर आदि वापस लेने हेतु ऊर्जा निगमों के चेयरमैन एम देवराज को निर्देश जारी कर दिये हैं। ऊर्जा मंत्री के सकारात्मक घोषणा के दृष्टिगत विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हुए एवं उच्च न्यायालय के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए हड़ताल वापस लेने का ऐलान किया। संघर्ष समिति ने बिजली कर्मियों से अपील की है कि वे जनता की तकलीफों को देखते हुए काम पर वापस लौटे और शीघ्र अतिशीघ्र बिजली व्यवस्था सुचारू करने हेतु सभी कार्य करें। वार्ता में ऊर्जा मंत्री के साथ ऊर्जा निगमों के चेयरमैन एम देवराज, प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार प्रबन्ध निदेशक,पी गुरू प्रसाद उपस्थित थे। वही रविवार को बनारस में हजारो कर्मचारियों ने भिखारीपुर हनुमानजी मंदिर पर हड़ताल के तीसरे दिन जमकर नारेबाजी की और 14 सूत्रीय समझौते को लागू कराने हेतु मुख्यमंत्री से अपील की। जिसके बाद रविवार को ऊर्जा मंत्री एवं अध्यक्ष पावर कारपोरेशन के साथ संघर्ष समिति की सफल वार्ता के बाद बनारस के बिजली कर्मियो को तत्काल कार्य पर लौटकर सभी खराब लाइन को दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। सभा को ई0 चंद्रशेखर चौरसिया,ई0सुनील कुमार, ई0 संजीव भारती,ई0मनोज कुमार, ई0 आशीष कुमार,राजेन्द्र सिंह, जिउतलाल, विजय सिंह, बीरेंद्र सिंह, रमाशंकर पाल,संतोष कुमार, आर0के0 पाण्डेय आदि ने संबोधित किया।

बनारस के सभी बिजलीकर्मी कार्य पर वापस लौटे,जल्द से जल्द सभी खराब लाइनो को दुरुस्त करने हेतु संघर्ष समिति ने किया निर्देशित

20 मार्च से 3 अप्रैल तक चलाया जाएगा पोषण पखवाड़ा, होंगे विभिन्न कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत सरकार के द्वारा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के माध्यम से 20मार्च से 3अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन करने जा रही है। इसको लेकर राज्य पोषण मिशन उत्तर प्रदेश के द्वारा पत्र भी विभाग को प्राप्त हो चुका है। जिसके अंतर्गत बच्चे, किशोरी ,बालिकाओं एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार हेतु कार्यक्रम का आयोजन जो प्रत्येक वर्ष मार्च में आयोजित किया जाता है। उसका आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन के साथ ही मोटा अनाज के बढ़ावा देने को लेकर भी निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश पर शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समस्त कन्वर्जन विभागों के साथ समस्त सीडीपीओ की बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पांडे ने बताया कि 20 मार्च से 3 अप्रैल तक मोटे अनाज के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से पोषण पखवड़ा चलाया जाएगा। जिसमें ग्राम विकास, पंचायती राज विभाग, आजीविका मिशन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, कृषि विभाग सहित कई विभागों के समन्वय से इस पखवाड़े का संचालन किया जाएगा। पखवाड़े के अंतर्गत श्री अन्न जिसमें ज्वार, बाजरा, मक्के आदि के बारे में समुदाय में जानकारी देना है। कारण कि इन मोटे अनाजों में प्रोटीन ,काबोर्हाइड्रेट व विटामिन की मात्रा अधिक मिलती है।

उन्होंने बताया कि इस पखवाड़े में स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा के माध्यम से चयनित स्वस्थ बालक बालिका के माता-पिता को सम्मानित करने एवं प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें मोटे अनाज से बने हुए सामान देकर प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा प्रभात फेरी एवं रैली का आयोजन भी किया जाना है। ताकि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सके। साथ ही उन्होंने बताया कि इस को लेकर स्वयं सहायता समूह, ग्राम प्रधान व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पोषण पखवाड़ा को कैसे बेहतर तरीके से आयोजन किया जा सके इसके बारे में रणनीति बनाई जाएगी। ताकि यह लोग समुदाय में जाकर लोगों को जागरूक कर सके। इसके अंतर्गत किशोरी समूह का गठन करना, योग के प्रोत्साहन के लिए परिवार को जागरूक करना भी मुख्य कार्य होगा। पोषण पखवाड़ा में आयोजित स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा में 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की लंबाई, ऊंचाई तथा वजन लेते हुए पोषण ट्रैकर पर फिड करना है। इस गतिविधि से सुपोषित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करना है। गतिविधि के आयोजन की सफलता में ग्राम प्रधान और पंचायतो की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश 6 वर्ष तक के बच्चों खासकर 6 माह से कम उम्र के बच्चे के पोषण स्तर में सुधार लाना, पोषण के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना तथा एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाना है। बच्चों में वृद्धि निगरानी पश्चात स्वस्थ एवं सुपोषित बच्चे जिन्हें अन्य विभागीय सेवाए भी प्राप्त हो उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

उक्त बैठक में उप निदेशक कृषि, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, उपायुक्त आजीविका मिशन , क्रीड़ा अधिकारी , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी , सूचना अधिकारी ,नेहरू युवा केंद्र सहित विकासखंड के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी तथा प्रभारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अवैध तमंचे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना करीमुद्दीनपुर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को अवैध देशी तमंचा के साथ गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गाजीपुर के कुशल निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के मार्ग दर्शन मे उ0नि0 सुरेश कुमार मौर्य मय हमराह का0 सूरज कुमार, सौरभ कुमार पाण्डेय के चेकिंग संदिग्ध वाहन/व्यक्ति व सघन सहकारी ड्यूटी में मामूर होकर कामूपुर में मौजूद थे कि तभी जरिये मुखबिर खास सूचना मिली की एक व्यक्ति अवैध तमन्चा लिये कुबरी मोड़ के पास खड़ा है। यदि जल्दी किया जाए तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास कर हमराही कर्मचारीगण के कुबरी मोड़ से अभियुक्त धनन्जय यादव पुत्र श्रीराधा कृष्ण यादव नि0ग्राम बद्दोपुर थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर को एक अदद अवैध देशी तमंचा .315 बोर मय 1 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ समय 08.30 बजे गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं039/2023 धारा- 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही थाना करीमुद्दीनपुर द्वारा की जा रही है।

भाजपा महिला मोर्चा ने आयोजित किया सुषमा स्वराज अवार्ड वितरण कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आज दिन रविवार को जिला कार्यालय छावनी लाइन पर आयोजित सुषमा स्वराज आवार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज के कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि रूद्रा पांडेय सदस्य प्रदेश कार्यसमिति महिला मोर्चा ने कहा कि महिलाओं ने सदैव पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर देश और परिवार के लिए समर्पित संघर्ष किया है।जब कहीं भी त्याग और बलिदान कि आवश्यक्ता हुई उसमें पहली आहुति महिलाओं ने दिया है।उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान और सम्मान के लिए लगातार कार्य हो रहे है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने कहा कि सुषमा स्वराज महिलाओं कि सिर्फ आदर्श ही नही बल्कि वह नैतिक प्रेरणा है। जो घर परिवार मे सामंजस्य के साथ साथ राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित कर उस शिखर पर स्थापित हुई जो हर नारी का सपना होता है। उन्होंने कहा कि सुषमा स्वराज के सपनों के प्रति कार्य करते हुए आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे सिर्फ महिलाओं का सम्मान ही नही बढा है बल्कि उनके प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। इस दौरान महिला मोर्चा कि क्षेत्रीय मंत्री प्रियंका दूबे ने कहा कि देश और प्रदेश की सरकारों के नेतृत्व मे नारी सशक्तिकरण सिर्फ नारा नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। कार्यक्रम मे स्वयं सहायता समूह,एनजीओ आदि के माध्यम से सामाजिक क्षेत्रों मे बेहतर कार्य कर रही महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया गया।महिलाओं ने होली बाद पहली बैठक मे जमकर रंग गुलाल उड़ाते हुए होली गीत गाया। निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने सबके प्रति धन्यवाद आभार प्रकट किया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष साधना राय तथा संचालन किरन सिंह ने किया। इस अवसर पर ज्योत्सना कुशवाहा,उषा देवी, निशा उपाध्याय, इंदू देवी, निर्मल गुप्ता, आशा देवी, पुष्पा यादव, मीरा राजभर को सम्मानित किया गया। आज के बैठक मे माया सिंह, साक्षी श्रीवास्तव, रीमा खरवार, पुजा शर्मा, कंचन गीरी, गुड्डी पांडेय, कल्पना कुशवाहा, लालमुनी गौड आदि महिलाएं उपस्थित रही।

डेडूवाना गांव के बब्बू सिंह निर्विरोध सरपंच चुने गए

प्रखर केराकत, जौनपुर । केराकत ब्लॉक क्षेत्र के डेडूवाना गांव के साधन सहकारी समिति उसरपुर के सरपंच का चुनाव रविवार को शांति पूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। गांव के अतुल कुमार सिंह उर्फ बब्बू निर्विरोध सरपंच चुने गए ' उन्होंने सरपंच पद पर अकेले नामांकन दाखिल किया था कबब्बू के सरपंच चुने जाने पर गांव की ग्राम प्रधान श्रीमती शैब्या सिंह सहित अनिल सिंह, मदन सिंह, राम जतन सिंह, मनोज कुमार सिंह, संतोष राजभर, श्याम नारायण प्रजापति, हिमांशु राय, बेचन सिंह, शिव चंद्र, जिलेदार, अरुण कुमार, बच्चा सिंह, कृष्णा सिंह, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि डॉ पप्पू सरोज,चंद्रशेखर यादव,साहबलाल सरोज व पंकज सिंह ने माला पहनाकर जीत की बधाई दी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं